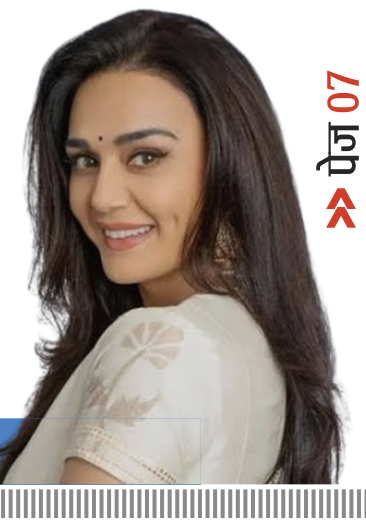
www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 132 || लखनऊ
मंगलवार
11 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:35
सूर्यास्तः 06:46
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 28°00



पेज 07

विशेष समाचार
भागवत की नजरों में जेन जी ... >>पेज 04
संयुक्त किसान मोर्चा ने ... >>पेज 06
आमिर को इग्नोर करने के ...

तिरंगा हमारी एकता और राष्ट्रगौरव का प्रतीक

सीएम के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ, चुनावी तैयारियों के बीच 15 अगस्त तक चलेगा सिलसिला



तिरंगा एकता और राष्ट्रगौरव का प्रतीक

मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रगौरव का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के प्रति सम्मान हर नागरिक के भीतर देशप्रेम और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है। शाखा सचिव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से लोगों को राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश मिलता है।

इस दौरान भाजपा विधि प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक अमिताभ त्रिपाठी अटल, क्षेत्रीय सह संयोजक अजय गुप्ता बजरंगी एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष केडी पाठक, प्रियानंदन सिंह, अनादि मिश्रा, अजीत शाही, विवेक सरकारी, अभयनंदन त्रिपाठी, अजिता पांडेय, सचिन द्विवेदी, शरदेन्दु प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

कार्यकारिणी ने की पुष्पवर्षा

मुख्यमंत्री के स्वागत के दौरान मारवाड़ी युवा मंच की कार्यकारिणी के सदस्यों ने पुष्पवर्षा की। इस दौरान पीयूष जैन, अंकित पोद्दार, रजत लाठ, मनीष केडिया, मानस खेतान, आकाश गोयल, मनीष मित्तल, राघव बंसल, आयुष लखोटिया, चंदन अग्रवाल, गौरव चिरानिया, निकुंज चांदवासिया और अंकुर लाठ समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष दुर्गेश बजाज, शाखा सचिव संचित भालोटिया, कोषाध्यक्ष आकाश अग्रवाल, निर्वर्तमान अध्यक्ष मयंक अग्रवाल, सलाहकार अभिषेक पोद्दार, प्रांतीय अध्यक्ष नवीन पलरीवाल, पूर्व अध्यक्ष अनुराग चांदवासिया, अनूप जालान, पंकज अग्रवाल और नीरज जालान समेत मंच के कई पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए।

झारखंड विधानसभा गेट के पास लाठीचार्ज

स्टूडेंट्स को खदेड़ी पुलिस, छात्र नेता देवेंद्र हॉस्पिटल में भर्ती

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड के रांची में JPSC-JSSC परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें गेट से हटाने की कोशिश की, लेकिन नहीं हटे तो लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया। कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



- झारखंड विधानसभा गेट के बाहर दूसरी बार पुलिस ने लाठीचार्ज किया।
- विधानसभा के पास छात्रों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया, जहां पानी की बौछार पर प्रदर्शनकारी डांस करते नजर आए।

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को गोरखपुर में आयोजित तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। यात्रा के दौरान शहर में जगह-जगह विभिन्न संगठनों और लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। भालोटिया मार्केट में मारवाड़ी युवा मंच की ओर से मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यात्रा के वहां पहुंचते ही मंच की कार्यकारिणी के सदस्यों ने पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के नारों और राष्ट्रध्वज के रंग में रंगा नजर आया। बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। जगह-जगह लोगों ने यात्रा का



स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिन्हें लोगों ने खूब सराहा। गोरखपुर में तिरंगा यात्रा की शुरुआत सुबह करीब 9 बजे हुई। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए दोपहर करीब 12 बजे समाप्त हुई। यात्रा के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

>> (शेष पेज 06 पर)

बच्चियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने खींचा ध्यान

भालोटिया मार्केट में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान बच्चियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने बच्चियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। तिरंगा यात्रा के दौरान बाजार और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा का स्वागत किया और राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए।

कलेक्ट्रेट चौराहे पर अधिवक्ताओं ने भी किया स्वागत

तिरंगा यात्रा के दौरान कलेक्ट्रेट चौराहे पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने भी मुख्यमंत्री की यात्रा का स्वागत किया। अधिवक्ताओं ने पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया। तिरंगा यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर [illegible] स्वागत कार्यक्रमों में लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश के प्रति समर्पण का संदेश दिया। यात्रा में शामिल लोगों ने ति[illegible] के सम्मान और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। गोरखपुर में आयोजित यह तिरंगा यात्रा शहर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल छोड़ गई। विभिन्न संगठनों और नागरिकों की भागीदारी से कार्यक्रम में जनभागीदारी भी देखने को मिली।



राममंदिर चढ़ावा चोरी : चंपत राय फिर महासचिव की रेस में

विहिप ने क्लीनचिट दी, अयोध्या के संतों ने निर्दोष बताया

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से घिरे चंपत राय एक बार फिर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बनने की रेस में है। चंपत ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों के मुताबिक, 22 जुलाई को दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की राष्ट्रीय बैठक में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। इसके अगले ही दिन अयोध्या में उनके समर्थन में संतों ने बैठक की। मणिराम दास छावनी में हुई बैठक में कई प्रमुख संतों ने चंपत राय को बेदाग बताते हुए दोबारा महासचिव बनाने की मांग



उठाई। ज्यादातर संतों ने इसका समर्थन भी किया। इसके बाद से चंपत राय रोज संतों के पास पहुंच रहे हैं। वह मंदिरों में पहुंचकर संतों-महंतों से मुलाकात कर रहे हैं। राम मंदिर व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। खुद के प्रति विश्वास बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं। रामवल्लभाकुंज के प्रमुख और राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि संत समाज की नजर में चंपत राय निर्दोष हैं।

फास्ट न्यूज

नौकरानी से मारपीट में कारोबारी की पत्नी गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम के बड़े कारोबारी की पत्नी पर मेड से मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामला गोल्फ कोर्स रोड स्थित अल्ट्रा लग्जरी सोसाइटी द कैमेलियाज के एक फ्लैट का है। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें कारोबारी की पत्नी किचन में मेड से मारपीट करती हुई दिख रही है। उसने मेड का मुंह दबा दिया और उसके बाल भी खींचे।

रैगिंग से परेशान जूनियर डॉक्टर ने सुसाइड किया

सूरत। गुजरात में सूरत के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या ने रैगिंग से परेशान होकर रविवार को सुसाइड कर लिया। कॉलेज के चार सीनियर अनुज महेश्वरी, दीक्षित धेवरिया, निराली वसावे और हिनाबेन भूत पर रैगिंग का आरोप लगा है। कॉलेज प्रशासन ने इन्हें 6 महीनों के लिए सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उन्हें हॉस्टल खाली करने का भी आदेश दिया गया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सोमवार को चारों के खिलाफ FIR भी दर्ज करवाई है।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में किसान का अपहरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में 35 साल के चाय किसान दीपांकर गोप के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके के एक चाय बागान में हुई। परिवार का आरोप है कि करीब 20 बांग्लादेशी बदमाश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर चाय बागान में पहुंचे और दीपांकर को जबरन अपने साथ बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में ले गए।

सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक और हवन

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सावन के दूसरे सोमवार को शाम गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक और हवन किया। उन्होंने भगवान शिव से दुनिया के कल्याण और सभी लोगों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। सीएम योगी ने मंदिर परिसर स्थित अपने आवास के पहले तल पर बने शक्तिपीठ में भगवान भोलेनाथ की पूजा की। उन्होंने शिवजी को बेलपत्र, दूर्वा, मदार का फूल और कमल का फूल चढ़ाया।

इसके बाद दूध और जल से रुद्राभिषेक किया।

मठ के विद्वान आचार्यों और



पुजारियों ने मंत्रों का जाप कराकर रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूरा कराया।

रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रों के साथ हवन किया। पूजा-अर्चना पूरी होने पर उन्होंने प्रदेश के सभी लोगों की अच्छी सेहत, खुशी और शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने मंदिर में आए छोटे बच्चों को दुलारा और उन्हें खिलौने भी दिए।

जिम्मेदार कौन, नड्डा बोले- गृह मंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार, आप मत भागिएगा

जंतर-मंतर पर फायरिंग का आदेश किसने दिया : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर जंतर-मंतर प्रदर्शन पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। राहुल ने सवाल किया कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। इसका जिम्मेदार कौन है, वो सामने आए। गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें। राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली- युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी- प्रधानमंत्री घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो।



राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उसके बाद जेपी नड्डा ने राहुल के आरोपों का जवाब दिया।

राहुल के प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक घंटे बाद जेपी नड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा- जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार, आप चर्चा से मत भागिएगा। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

जेपी नड्डा बोले- राहुल अराजकता फैला रहे हैं

जेपी नड्डा बोले- राहुल अराजकता फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं। राहुल नहीं चाहते कि संसद चले। आज वो गोल पोस्ट चेंज कर रहे हैं। हम सदन में हर विषय पर जवाब देना चाहते हैं। राहुल का विपक्ष के नेता के रूप में गैर जिम्मेदराना व्यवहार रहता है। जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली, वे भ्रम फैला रहे हैं।

राहुल बोले- गृहमंत्री ने लाठीचार्ज का आदेश दिया तो वे दोषी हैं

राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह को संसद में यह स्पष्ट करना चाहिए कि दिल्ली में युवाओं पर लाठी चलाने की अनुमति किसने दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर पैलेट गन और कीलों वाली लाठियों से हमला किया गया। यदि अमित शाह ने इसकी अनुमति दी थी तो वे दोषी हैं।



- प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी ने हाथ में पोस्टर लिया था, जिस पर शाह की लोकसभा में गैरहाजिरी की तारीखें दर्ज थीं।

सहमती : इनमें यूसुफ-अबू ताहिर, बोले- हम एनडीए में नहीं, 20 सांसदों ने एनसीपीआई में विलय किया था

तीन बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार



- पीएम मोदी ने 7 जुलाई को दिल्ली स्थित अपने आवास पर एनडीए सांसदों के साथ बैठक की थी, जिसमें अबू ताहिर, खलीलुर और यूसुफ शामिल हुए थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने



कहा है कि वे BJP में शामिल नहीं होंगे और वे NDA का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे BJP की राजनीति से सहमत नहीं हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

बागी सांसदों के गुट में मतभेद की अटकलों के बीच एनसीपीआई की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने कहा कि पार्टी में कोई दरार नहीं है। उन्होंने कहा कि एनसीपीआई सांसदों के साथ पीएम मोदी की दो घंटे से ज्यादा की बैठक हुई, जिसमें बंगाल के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई और अबू ताहिर भी इसमें मौजूद थे।

एनसीपीआई के अंदर मतभेद पर पार्टी ने कहा- बड़ी दरार नहीं

वहीं, पिछले हफ्ते 4 जुलाई को NDA सांसदों की 'मंगल मिलन' बैठक में NCPI के 17 सांसद शामिल हुए थे। अबू ताहिर, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान इस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। दूसरी ओर, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले TMC गुट ने इन सांसदों पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि इन सांसदों ने स्पीकर को NCPI के साथ होने की जानकारी दी थी और NCPI को NDA का सहयोगी बताया जा चुका है। TMC विधायक कुणाल घोष ने NCPI को BJP की 'बी-टीम' बताया।

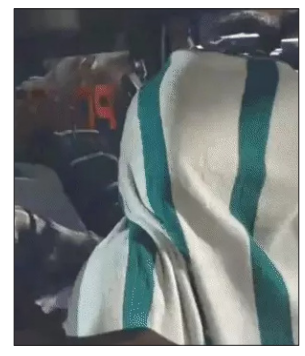
छात्रों पर विवादित बयान देने वाला केरलम का यूट्यूबर गिरफ्तार

डिजिटल डिवाइस जब्त, वीडियो में कहा था- जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग कराता

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोच्चि। केरलम पुलिस ने सोमवार को यूट्यूबर टीजी मोहनदास को गिरफ्तार कर लिया। उन पर NEET पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। पुलिस ने जांच के लिए डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मोहनदास ने 24-25 जुलाई को यूट्यूब चैनल 'पथरिका' पर वीडियो अपलोड किए थे। मोहनदास BJP के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख रहे हैं। मोहनदास ने वीडियो में कहा- 'जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में 'गैंगरेप की घटनाएं हो सकती हैं',



लेकिन इसकी कोई शिकायत नहीं होगी क्योंकि प्रदर्शन में शामिल होने वालों को रेप पसंद है और कुछ लड़कियां हैं जो रेप का आनंद लेती हैं।' उन्होंने कहा था कि अगर वह होते तो जंतर-मंतर पर कर्फ्यू लगा देते और प्रदर्शनकारियों को हटने का आदेश देते। अगर प्रदर्शनकारी नहीं मानते, तो वे फायरिंग का आदेश देते।

बेटी को स्कूल से ला रहे पिता नहर में बहे

विरोध

पुलिया से टकराकर गिरे, 2 घंटे बाद पहुंची एसडीआरएफ को 20 मीटर दूर मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मानकन-गरमें एक पिता की सोमवार को नहर में डूबने से मौत हो गई। वह बाइक से बेटी को स्कूल से लेकर घर लौट रहे थे। डीआरएम ऑफिस के पास अचानक सामने से ट्रक आ गया, बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई। इससे वह उछलकर नहर में गिर गए। बेटी उछलकर बाहर गिरी। देखते देखते पिता नहर में बह गए। सूचना पर करीब 2 घंटे बाद पहुंची SDRF ने उनका शव बरामद किया। मृतक की पहचान कृष्णनगर खुशी विहार निवासी रवि कुशवाहा (41) के रूप में हुई। वह LIC एजेंट थे। उनके परिवार में पत्नी सुनीता कुशवाहा और दो बच्चे हैं। बेटी वंशिका (8) अवध कॉलेजिएट स्कूल में पढ़ती है। उसी को लेकर वह लौट रहे थे। वंशिका को मामूली चोट लगी है। घटना से गुस्साए पार्षद धरने पर बैठ गए। SDRF की तलाश में रवि नहर में हादसे की जगह से करीब 20 मीटर दूरी पर मिले। उनका शव झाड़ियों में फंसा था। पुलिस ने बॉडी को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मानक नगर अजीत कुमार का कहना है कि सूचना पर पुलिस समय से पहुंच गई थी। तत्काल एसडीआरएफ को बुलाया गया। उसके बाद रेस्क्यू अभियान चलाकर शव बरामद कर लिया गया। वह नहर में कैसे गिरे, इसकी जांच की जा रही है।



पुलिस ने कहा- हमारे पास गोताखोर नहीं हैं

घटना करीब सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद लोगों ने तत्काल 112 पर सूचना दी। आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने कहा कि उनके पास गोताखोर नहीं हैं। इसके अलावा घटनास्थल को दूसरे थाने का बताया। इस पर स्थानीय लोग नाराज हो गए।

सामने से ट्रक आने से बिगड़ा संतुलन

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रवि बाइक मोड़ रहे थे। इसी दौरान सामने से अचानक ट्रक आ गया। इससे वह घबरा गए और बाइक का संतुलन बिगड़ गया। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ब्रेक के साथ एक्सीलेटर भी दब गया, जिससे बाइक तेजी से आगे बढ़ी और पुलिया के पास टूटे पत्थरों वाले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रवि उछलकर शारदा नहर के ब्रांच नहर में जा गिरे। उन्होंने बाहर निकलने की काफी कोशिश की। हाथ-पैर चलाते रहे, लेकिन 6 फीट गहरी नहर में तेज बहाव के कारण डूब गए। झटके से वंशिका सड़क की ओर गिर गई, जबकि बाइक पुलिया के पास जा गिरी। बेटी वंशिका ने बताया कि सामने से सर्विस लेन पर एक ट्रक आ रहा था, जिसे देखकर पिता ने अचानक से अगला ब्रेक मारी और बाइक स्लिप होकर पुलिया के पत्थर से टकरा गई। पिता सीधे नहर में चले गए। वह बाइक सहित सड़क पर रह गई।



घटना से आक्रोशित लोग और केसरी खेड़ा वार्ड के पार्षद देवेंद्र सिंह जीतू आधे घंटे तक रोड पर धरने पर बैठ गए। तहसीलदार, डीआरएम पीआरओ और इंस्पेक्टर मानक नगर मौके पर पहुंचे। पार्षद और स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर धरने को खत्म कराया। इस दौरान आवागमन प्रभावित रहा।

महिला पहलवान ने पुरुष पहलवान को पटखनी दी

मेयर ने शुरू कराया 309 साल पुराना दंगल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सावन के दूसरे सोमवार पर जागेश्वर धाम के करीब तीन सदी पुराने अखाड़े में 309वें दंगल का आगाज हुआ। कानपुर की मेयर ने दोपहर 3:30 बजे दंगल की शुरुआत की। दंगल में अलग-अलग 55 मुकाबले हुए। महिला पहलवानों के बीच 6 मुकाबले हुए।

सबसे दिलचस्प मुकाबला दिल्ली से आई महिला पहलवान पूनम और बांदा से आए पहलवान जय सिंह के बीच हुआ। दोनों के बीच तीन मिनट से ज्यादा कुश्ती हुई। आखिर के 13 सेकंड में पूनम पहलवान ने जय सिंह को 3 बार लगातार पटखनी देकर मुकाबला जीत लिया।

महिला पहलवान पूनम ने बांदा के पुरुष पहलवान जय सिंह को हराया है। दिल्ली की रहने वाली पूनम बचपन से पहलवानी कर रही हैं। स्टेट लेवल की कुश्ती में हिस्सा ले चुकी हैं।



पूनम को इस कुश्ती के लिए पहले से तय रकम 11 हजार रुपए और आयोजन समिति की ओर से अलग से 5 हजार रुपए का इनाम मिला। सपा से कल्याणपुर पूर्व विधायक सतीश निगम ने बताया कि 20 साल से दंगल में बाबर आ रहे हैं। 309 साल पुराने इस ऐतिहासिक दंगल में देश- विदेश से पहलवान आते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति और दंगल में एक ही तरह के पैतरे आजमाए जाते हैं। दांव-पेंच में ऐसे ही होते हैं। देश में एक अलग तरह का दंगल चल रहा है।

फास्ट न्यूज

बंद मकान में 21 मिनट में 80 लाख की चोरी

लखनऊ । लखनऊ के जानकीपुरम के जानकी विहार में चोरों ने रिटायर्ड शिक्षक के बंद मकान को निशाना बनाया। बदमाशों ने महज 21 मिनट में घर के ताले तोड़कर करीब 80 लाख रुपए के जेवर और ढाई लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। घटना 29 जुलाई की रात की है। पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में बाइक सवार दो बदमाश घर में घुसते और बाहर निकलते दिखाई दिए हैं।

काकोरी में मारपीट के आरोपी ने दरोगा को घायल किया

दुबग्गा। काकोरी थाने की पुलिस टीम पर हमले के वांछित आरोपी ने एसयूवी चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान केस के विवेचक दरोगा अमित चौधरी घायल हो गए। दरोगा अपनी टीम के साथ आरोपी को पकड़ने गए थे। आरोपी ने पुलिस टीम को आते देखा तो अपनी एसयूवी गाड़ी से पुलिस की गाड़ी में टक्कर मार दी और भाग गया। इस टक्कर में टीम को लीड कर रहे आरोपी के विवेचक दरोगा घायल हो गए। दरोगा को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के मौसेरे भाई को हिरासत में ले लिया है।

लखनऊ में आधी रात हाईटेंशन टावर पर चढ़ा व्यक्ति

दुबग्गा। लखनऊ में एक 50 साल का व्यक्ति आधी रात हाईटेंशन (33 हजार वोल्ट) टावर पर चढ़ गया। इसकी सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस टीम अपने साथ SDRF की टीम भी लेकर पहुंची। करीब 3 घंटे तक उसे समझाते रहे तब वह नीचे उतरा। व्यक्ति का कहना था कि उसकी पत्नी शराब खरीदने के लिए पैसे नहीं दे रही है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए विकल्प परिवर्तन का मौका

15 अगस्त तक खुला रहेगा पोर्टल

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के विशेष सचिव/ अधिशासी निदेशक एस.सी.वी.टी. अभिषेक सिंह ने बताया कि प्रदेश के राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) में संचालित व्यवसायों, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 211 राजकीय संस्थानों में संचालित 10 दीर्घकालीन व्यवसायों एवं पीपीपी मॉडल पर संचालित राजकीय संस्थानों के विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण हेतु विकल्प परिवर्तन (संस्थान/व्यवसाय) के लिए एससीवीटी पोर्टल खोला गया है।

उन्होंने बताया कि सर्वसाधारण के लिए दिनांक 09-08-2026 से दिनांक 12-08-2026 तक विकल्प परिवर्तन हेतु पोर्टल खोला गया है। साथ ही अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए वेबसाइट http://www.scvtup.in पर नवीन ऑनलाइन आवेदन/पंजीकरण एवं विकल्प परिवर्तन (संस्थान/व्यवसाय) हेतु दिनांक 15-08-2026 रात्रि 12.00 बजे तक एससीवीटी पोर्टल खुला रहेगा। इसके पश्चात आवेदन/पंजीकरण/विकल्प परिवर्तन के लिए कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन में सहायता हेतु विवरणी (दिशा-निर्देश) ई-फॉर्म में वेबसाइट www.scvtup.in पर उपलब्ध है।

चिनहट में गोदाम की दीवार गिरी

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट में महात्मा गांधी अस्पताल के पास सोमवार दोपहर एक गोदाम की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार की चपेट में आने से वहां बाल-दाढ़ी बनवा रहे एक व्यक्ति और नाई घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में मौके पर खड़ी एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना सोमवार दोपहर की है। महात्मा गांधी अस्पताल के पास आरएस ट्रेडर्स नाम से जूट के बोरों का गोदाम है। गोदाम के सामने खाली जगह में तकरोही निवासी जुबेर (42) कुर्सी-मेज लगाकर बाल काटने का काम करता है। सोमवार को बुद्ध विहार कॉलोनी निवासी भगवान दीन (55) जुबेर के पास बाल और दाढ़ी कटवाने पहुंचे थे। दोनों के बाल-दाढ़ी कटवाने के दौरान ही अचानक गोदाम की दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे की चपेट में आने से जुबेर और भगवान दीन दोनों घायल हो गए।

पुलिस की बैरिकेडिंग के पास धरने पर बैठे, बोले- काम के घंटे नहीं, सुविधाएं बढ़ाई जाएं

किसान-मजदूर संगठनों का पुलिस से नोकझोंक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को दोपहर 2:15 बजे परिवर्तन चौक पर विरोध प्रदर्शन हुआ। महिलाओं और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्रीय श्रम संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर श्रमिक विरोधी नीतियां अपनाने, निजीकरण को बढ़ावा देने, महंगाई बढ़ाने और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। कहा कि काम के घंटे नहीं सुविधाएं बढ़ाई जाएं। किसानों को कागजों में नहीं हकीकत में लाभ दिए जाएं। प्रदर्शनकारी परिवर्तन चौक पर जुटे और वहां से जनभवन कूच करने की कोशिश की। पुलिस ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास बैरिकेडिंग लगा कर उन्हें रोक लिया। प्रदर्शनकारी जनभवन जाकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़ गए। इससे करीब आधे घंटे तक उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारी पुलिस की बैरिकेडिंग के पास ही धरने पर बैठ गए। उसके बाद अधिकारियों ने उनसे ज्ञापन लेकर धरना खत्म करवाया।



निजीकरण का विरोध किया

प्रदर्शनकारियों ने निजीकरण के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उनका कहना था कि सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के निजीकरण का सीधा असर मजदूरों और आम जनता पर पड़ रहा है। निजीकरण से रोजगार की सुरक्षा और श्रमिकों के अधिकार कमजोर हो रहे हैं। निजीकरण की वजह से ठेका कंपनियों को तो फायदा हो रहा है मगर कर्मचारियों का शोषण बढ़ जाता है।



प्रदर्शनकारियों ने परिवर्तन चौक से जनभवन के लिए पैदल कूच किया।

किसानों की समस्याएं गिनाईं

किसान नेता कमलेश यादव ने कहा कि हम किसानों की समस्याओं को लेकर लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे हैं। बिजली, डीजल-पेट्रोल, खाद, बीज और अन्य कृषि संसाधनों की बढ़ती कीमतों के कारण खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। किसानों को समय पर बीज और जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। विभिन्न परेशानियों के कारण किसानों का मनोबल गिर रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग सिर्फ कागजों पर किसानों का भला करते हैं। जमीन पर किसी भी किसान को 1 का लाभ नहीं मिल रहा है। अगर स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तो प्रदेश भर के किसान सड़क पर उतरने पर मजबूर होंगे।

ओटीएस से पुराने कर बकाए का होगा समाधान, शहरों के विकास को मिलेगी नहीं गति : ए के शर्मा

762 नगरीय निकायों में संपत्ति कर के बकायेदारों के लिए ओटीएस योजना लागू

- ब्याज एवं सरचार्ज पर 100 प्रतिशत छूट, करदाताओं को तीन किस्तों में भुगतान की सुविधा
- 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक चलेगी एकमुश्त समाधान योजना

ओटीएस योजना से करदाताओं को राहत और नगरीय निकायों को आर्थिक मजबूती मिलेगी

तमसा संकेत, संवाददाता



प्रदेश के 762 नगरीय निकायों में संपत्ति कर के बकायेदारों के लिए ओटीएस योजना लागू

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर (गृहकर, जलकर एवं सीवरकर) की प्रभावी वसूली, करदाताओं को व्यावहारिक राहत प्रदान करने, न्यायालयीय विवादों में कमी लाने तथा नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में एकमुश्त समाधान योजना (OTS) लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में लंबित संपत्ति कर के बकायेदारों को लाभ मिलेगा। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नगरीय निकायों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। OTS योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे लंबे समय से लंबित कर बकाये का समाधान होगा और करदाताओं को भी एकमुश्त आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी। मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि इस योजना से करदाताओं को अपने पुराने बकाये का निस्तारण करने का सरल और राहतपूर्ण अवसर मिलेगा। साथ ही नगरीय निकायों को लंबे समय से लंबित राजस्व की प्रभावी एवं समयबद्ध वसूली हो सकेगी।

व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा

शर्मा ने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना की अवधि चार माह निर्धारित की गई है और इसका क्रियान्वयन 15 अगस्त 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। नगरीय निकायों द्वारा 15 अगस्त से 14 सितंबर 2026 के मध्य सभी संबंधित करदाताओं एवं हितधारकों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक पात्र करदाता योजना का लाभ उठा सकें।

करदाताओं को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने OTS के अंतर्गत बकाया संपत्ति कर के भुगतान के लिए अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा भी प्रदान की है। करदाता को योजना लागू होने की तिथि से 30 दिन के भीतर कुल बकाये की एक-तिहाई धनराशि जमा करनी होगी तथा शेष दो-तिहाई धनराशि अगले दो माह में दो मासिक किस्तों के माध्यम से जमा की जा सकेगी। इस प्रकार योजना के अंतर्गत देय संपूर्ण धनराशि का भुगतान अधिकतम तीन माह की अवधि में अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा।

सभी मदरसों में मनाया जाएगा हर घर तिरंगा अभियान : दानिश आजाद

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री, (अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग) दानिश आजाद अंसारी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान को प्रदेश के सभी मदरसों तक पहुंचाने के लिए प्रमुख सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव, एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने वाला जन अभियान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है, जिसे मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी मदरसों में छात्र-छात्राओं युवाओं को अभियान से जोड़ा जाए तथा तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान, देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों और स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के योगदान पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से मदरसों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है।

रोक : ब्राउन हॉल में हड़ताल करने पहुंचे, बाहर से ही लौटाया गया, वीसी ने समस्या सुनी

केजीएमयू में इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़वाने के लिए प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) कैंपस में इंटर्न डॉक्टरों ने आज स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इंटर्न्स प्रशासनिक भवन से पैदल मार्च कर गेट नंबर 1 पहुंचे। उनका शहीद स्थल तक मार्च करने का प्लान था, पर पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया।

इसके बाद इंटर्न डॉक्टर वापस प्रशासनिक भवन पहुंचे। थोड़ा देर बाद ब्राउन हॉल में कुलपति से इंटर्न डॉक्टरों की मुलाकात कराई गई। वार्ता के दौरान कुलपति ने उनकी मांगों को शासन तक ले जाने का भरोसा दिया।

इंटर्न्स का कहना है कि उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मिलने वाला इंटर्नशिप स्टाइपेंड AIIMS और SGPGI की तुलना में काफी कम है। उनका कहना है कि जब छात्र समान तरह का काम करते हैं तो उन्हें समान स्टाइपेंड मिलना चाहिए। छात्रों ने वर्तमान स्टाइपेंड में जल्द बढ़ोतरी की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों में अपनी मांगों को लेकर नाराजगी दिखाई दी। अधिकारियों ने छात्रों को उनकी मांगें शासन और संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद मरीजों की देखभाल और पढ़ाई प्रभावित न हो, इसे देखते हुए छात्रों ने आंदोलन को फिलहाल दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया।



इंटर्न्स का कहना है कि मेडिकल शिक्षा पूरी करने के बाद अस्पतालों में इंटर्नशिप के दौरान उन्हें मरीजों की देखभाल और अस्पताल की सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। ऐसे में इंटर्नशिप स्टाइपेंड को उनकी जिम्मेदारियों और वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप बढ़ाया जाना चाहिए।

24 जुलाई को भी किया था प्रदर्शन

इससे पहले 24 जुलाई को इंटर्न्स ने KGMU में छात्रों ने डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. रश्मि कुशवाहा, डॉ. अग्रवाल और डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह से मुलाकात कर मांगों का ज्ञापन सौंपा था। इसी तरह लोहिया संस्थान और ASMC जौनपुर समेत प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों के MBBS छात्रों ने भी अपने-अपने प्राचार्यों को ज्ञापन देकर मांगें राज्य सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया था।



ब्राउन हॉल के अंदर इंटर्न्स से VC डॉक्टर सोनिया नित्यानंद ने वार्ता की।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0 को मिला विस्तार

13 अगस्त तक जारी रहेगा अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में विशेष रूप से दिव्यांगजनों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान-3.0' की समय-सीमा बढ़ा दी गई है।

पूर्व में 3 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक निर्धारित इस अभियान की तिथि को जनहित में विस्तार देते हुए अब 13 अगस्त 2026 तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि इस महत्वपूर्ण पहल का मुख्य उद्देश्य निर्धारित रोजगार लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करना तथा प्रदेश के अधिक से अधिक दिव्यांग युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों से जोड़कर लाभान्वित करना है। अभियान को मिल रहे सकारात्मक रुझान और आवेदनकर्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए समय-सीमा का विस्तार किया गया है। अभियान के अंतर्गत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों एवं जिला स्तरीय टीमों को निर्देशित किया गया है कि वे विस्तारित तिथि तक कार्यक्रम का सुचारू और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करें। इसके माध्यम से विभिन्न निजी एवं कौशल विकास से जुड़ी कंपनियों व संस्थानों के सहयोग से दिव्यांग अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता और रुचि के अनुसार सीधे रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मिशन निदेशक ने प्रदेश के सभी पात्र एवं इच्छुक दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे बढ़ाई गई अवधि का अधिकतम लाभ उठाएं और 13 अगस्त तक अपने पंजीकरण एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्ण कर योजना से जुड़ें।



300 शिवभक्तों ने निकाली कांवड़ यात्रा, हेतमापुर से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

सरयू तट से पंचमुखी बालाजी धाम तक गूंजा हर-हर महादेव

उत्साह

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। सावन के पावन माह में सोमवार को सूरतगंज क्षेत्र पूरी तरह शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। हेतमापुर स्थित सरयू नदी के पावन तट से श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से जल भरा और कांवड़ यात्रा के रूप में पंचमुखी बालाजी धाम के लिए रवाना हुए। विभिन्न गांवों और प्रमुख मार्गों से होते हुए यात्रा कुड़वा बल्लोपुर स्थित पंचमुखी बालाजी धाम पहुंची, जहां रामेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं ने सरयू नदी से लाए गए पवित्र जल से



भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम भोले के जयघोष से गूंज उठा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मार्ग के दोनों ओर खड़े होकर कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए।

महामंडलेश्वर राघवदास महाराज के नेतृत्व में निकली यात्रा

कांवड़ यात्रा का नेतृत्व महामंडलेश्वर राघवदास महाराज ने किया। यात्रा में करीब 300 शिवभक्तों ने कांवड़ उठाई। कांवड़ यात्रा शुरू होते ही क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया। भगवा वस्त्र धारण किए श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ लेकर भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आए। श्रद्धालु लगातार हर-हर महादेव और बम भोले के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। यात्रा में शामिल युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था, वहीं बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने भी पूरे उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया।





इन मार्गों से होकर गुजरी कांवड़ यात्रा

हेतमापुर से शुरू हुई कांवड़ यात्रा पंडितपुरवा, अटहरी चौराहा, लालपुर करौता, बल्लापुर सहित विभिन्न स्थानों से होकर गुजरी। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों का स्वागत किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों और धार्मिक धुनों ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। कांवड़िए भजनों की धुन पर झूमते और नृत्य करते हुए आगे बढ़ते रहे। 'बम भोले', 'चलो कांवड़ उठाओ' और 'शिव की महिमा निराली' जैसे जयघोषों से पूरा मार्ग गुंजायमान रहा।

हरदोई के शाहाबाद में 101 फीट तिरंगे का लोकार्पण

उच्चशिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने किया ध्वजारोहण, नीट छात्रों का हुआ सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद नगर में 10 अगस्त सोमवार को 101 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार में उच्चशिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने अम्बेडकर मैदान (बड़ी फील्ड) में इस ध्वजारोहण स्थल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एक विशाल तिरंगा मार्च भी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन सहित कई पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नगरवासी उपस्थित रहे। लोकार्पण के बाद, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर



माल्यार्पण किया। रजनी तिवारी ने कहा कि 101 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज शाहाबाद की पहचान को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने बताया कि यह स्थल युवाओं और नागरिकों में देश के प्रति सम्मान, जिम्मेदारी और राष्ट्रभावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। मंत्री ने जोर दिया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है। रन्होंने आगे कहा कि इस तिरंगे के माध्यम से नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों और राष्ट्रीय एकता का संदेश मिलेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने इस अवसर पर कहा कि शाहाबाद में 101 फीट ऊंचे तिरंगे की स्थापना नगरवासियों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्थल राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। बब्बन ने लोगों से राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने और सामाजिक एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान, NEET परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शाहाबाद के मेधावी छात्र स्वरित राठौर और सारांश राठौर (पुत्रगण कमल राठौर) को सम्मानित किया गया।

फास्ट न्यूज

हरदोई एनआरसी में सीडीओ को मिलीं खामियां

हरदोई। हरदोई में मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने जिला महिला चिकित्सालय स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में कुपोषित बच्चों के उपचार और फॉलोअप में गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। औचक निरीक्षण के दौरान मिली खामियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए CDO ने जिले के सभी 13 CDPO को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

युवक का शव फंदे से लटका मिला

उन्नाव। उन्नाव के मगरवारा में सोमवार सुबह हिमांशु का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मगरवारा निवासी राम कुमार के बेटे हिमांशु की उम्र 18 साल थी और वह चाय की दुकान चलाता था। परिजनों के अनुसार, रविवार रात वह घर पर ही था और परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे।

फूलन देवी जयंती पर निषाद सम्मेलन

उन्नाव। उन्नाव के बांगरमऊ नगर में सोमवार को पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती पर निषाद सम्मेलन आयोजित किया गया। कल्याणी नदी पुल के पास नानामऊ रोड पर हुए इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। नेताओं ने निषाद समाज के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

पैमाइश कर कब्जामुक्त कराने की मांग, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव के कटरी पीपर खेड़ा गांव में विद्युत विभाग के लिए आवंटित सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में सोमवार को जिला प्रशासन से शिकायत की गई। शिकायतकर्ता शिव कुमार ने जिलाधिकारी/सहायक अभिलेख अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर राजस्व अभिलेखों के आधार पर जमीन की पैमाइश और सीमांकन की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, ग्राम कटरी पीपर खेड़ा में नेशनल हाईवे से सटी कई भूमि विद्युत विभाग को आवंटित की गई थी। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि भूमि संख्या 1164ख (रकबा 0.3350 हेक्टेयर), भूमि संख्या 1167ग (रकबा 0.2318 हेक्टेयर) और भूमि संख्या 1168 (रकबा 0.4200 हेक्टेयर) का आवंटन 3 सितंबर 2015 को विद्युत विभाग के लिए किया गया था। आरोप है कि विद्युत विभाग के नाम आवंटित इस सरकारी भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि राजस्व अभिलेखों में जमीन की स्थिति स्पष्ट होने के बावजूद मौके पर कब्जे की स्थिति बन रही है, जिससे भविष्य में सरकारी भूमि को लेकर विवाद उत्पन्न हो सकता है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में संबंधित भूमि की मौके पर पैमाइश कराई जाए।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने किया शुभारंभ, प्रावधानों की जानकारी दी

विकसित भारत जी राम जी' अधिनियम पर सम्मेलन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में सोमवार शाम 5 बजे जिला स्तरीय पंच सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सम्मेलन में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ विकास विभाग और रोजगार से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम-2025' के विजन, उद्देश्यों और प्रावधानों की जानकारी देना रहा।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने अधिनियम की वर्तमान प्रासंगिकता और इसके लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका और उनके दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।



उपायुक्त श्रम रोजगार ने विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं की तैयारी, अनुमोदन और परिवारों के पंजीकरण से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने ग्रामीण रोजगार गारंटी से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत प्रस्तावित 318 कार्यों को चार प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है। इनमें जल सुरक्षा, ग्रामीण आधारभूत संरचना, ग्रामीण आजीविका और आपदा प्रबंधन शामिल हैं।



महिलाओं, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी पर जोर

कार्यक्रम में स्थायी विकास के साथ महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। युवाओं और स्थानीय समुदाय को योजनाओं से जोड़ने तथा केंद्र और राज्य के सहयोग से मजबूत वित्तीय ढांचा तैयार करने पर भी चर्चा हुई। रोजगार के साथ कौशल विकास मिशन को जोड़ने और ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार देने जैसे विषय भी सम्मेलन में उठाए गए। अधिकारियों ने बताया कि योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए युक्तधारा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पीएम गतिशक्ति जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इन तकनीकों के जरिए योजनाओं की बेहतर निगरानी, कार्यों की प्राथमिकता तय करने और विकास कार्यों को अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर दिया जाएगा।

15 अगस्त तक खुलेगा पोर्टल हरदोई में एससीवीटी पोर्टल पर 10 से 15 अगस्त तक विकल्प परिवर्तन की सुविधा

आईटीआई अभ्यर्थियों को संस्थान और व्यवसाय बदलने का अंतिम मौका

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रशिक्षण ले रहे अभ्यर्थियों के लिए राहत की खबर है। अभ्यर्थियों को संस्थान और व्यवसाय बदलने के लिए अंतिम अवसर दिया गया है। एससीवीटी पोर्टल पर संस्थान और व्यवसाय में विकल्प परिवर्तन की सुविधा 10 अगस्त 2026 से 15 अगस्त 2026 की रात 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को विकल्प परिवर्तन का कोई अतिरिक्त अवसर नहीं दिया जाएगा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हरदोई के प्रधानाचार्य आरके श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के राजकीय एवं निजी आईटीआई में संचालित



विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश और प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थियों को अपने विकल्पों में बदलाव करने का अवसर दिया गया है। जिन अभ्यर्थियों को वर्तमान में आवंटित संस्थान या व्यवसाय में बदलाव करना है, वे निर्धारित अवधि के भीतर एससीवीटी पोर्टल के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। प्रधानाचार्य के अनुसार यह विकल्प परिवर्तन की सुविधा केवल सामान्य आईटीआई व्यवसायों तक सीमित नहीं है।

अंतिम तिथि के बाद नहीं मिलेगा कोई अतिरिक्त मौका

प्रधानाचार्य आरके श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन, पंजीकरण अथवा संस्थान और व्यवसाय में विकल्प परिवर्तन का कोई अतिरिक्त अवसर नहीं दिया जाएगा। इसलिए जिन अभ्यर्थियों को अपने विकल्पों में बदलाव करना है, वे 15 अगस्त की रात 12 बजे से पहले प्रक्रिया पूरी कर लें। ऑनलाइन आवेदन, पंजीकरण और संस्थान एवं व्यवसाय में विकल्प परिवर्तन से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एससीवीटी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर ई-फॉर्म में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करें।



12 अगस्त की जगह अब 15 अगस्त तक खुला रहेगा पोर्टल

पहले एससीवीटी पोर्टल पर विकल्प परिवर्तन की सुविधा 12 अगस्त 2026 तक उपलब्ध थी। अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए अब इसकी समय सीमा बढ़ाकर 15 अगस्त 2026 की रात 12 बजे तक कर दी गई है। इसके साथ ही नवीन ऑनलाइन आवेदन और पंजीकरण की प्रक्रिया के लिए भी पोर्टल निर्धारित अवधि तक खुला रहेगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम समय में किसी तकनीकी परेशानी से बचने के लिए समय रहते आवेदन और विकल्प परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी कर लें।

चोरी के आरोप में युवक के बाल बनवाए

सिर मुंडवाकर जूते-चप्पल की माला पहनाई, एफआईआर के बाद पिता-पुत्र गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र के पाठकपुर गांव में चोरी के आरोप में एक युवक को अमानवीय यातना देने का मामला सामने आया है। युवक का सिर मुंडवाकर, आधी मूंछ काटकर और जूते-चप्पलों की माला पहनाकर उसे गांव में घुमाया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पाठकपुर गांव निवासी राजू पुत्र राम गुलाम ठाकुर और उसके बेटे राज के मोबाइल फोन 30 जुलाई की रात चोरी हो गए थे। मोबाइल चोरी होने के बाद दोनों ने गांव के ही सोनू पुत्र गोकुल पर चोरी का आरोप लगाया। आरोप है कि मोबाइल चोरी का आरोप लगाते हुए राजू और राज ने सोनू को पकड़ लिया। उन्होंने सोनू के हाथ में रस्सी बांधी, उसका सिर मुंडवाया और आधी मूंछ काट दी। इसके बाद उसके गले में जूते-चप्पलों की माला डालकर उसे पूरे गांव में घुमाया गया।

इस पूरी घटना का किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया था। यह वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। आसीवन पुलिस ने वायरल वीडियो की पड़ताल कर घटना स्थल और आरोपियों की पहचान की।

हादसा : सड़क पर पड़ा तड़पता रहा, शव से लिपटकर रोई मां-पत्नी

पेड़ से टकराने पर डिलीवरी बॉय की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में उन्नाव-कटरा मार्ग पर सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 28 वर्षीय डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। ड्यूटी से घर लौटते समय उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े नीम के पेड़ से जा टकराई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हरपालपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसा हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के ककरा गांव के पास सोमवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ। मृतक की पहचान अश्विनी शर्मा (28) के रूप में हुई है। वह सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र



के पकरी गांव के रहने वाले थे और एक कंपनी में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करते थे। बताया गया कि अश्विनी किसी गांव में डिलीवरी करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ककरा गांव के पास अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित नीम के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि अश्विनी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अश्विनी को एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी हरपालपुर भिजवाया गया। हालांकि अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पत्नी और दो वर्षीय बेटे समेत परिवार में मचा कोहराम

अश्विनी की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी सुनीता, दो वर्षीय पुत्र राघव और मां गीता को छोड़ गए हैं। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद अस्पताल परिसर में भी माहौल गमगीन हो गया। अचानक हुई मौत से परिवार के सामने आर्थिक और भावनात्मक संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हरपालपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संदीप शुक्ला ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मृतक के पिता रामनिवास ने बताया कि अश्विनी रविवार को सकाहा में कांवड़ लेकर गए थे। सोमवार को वह घर लौटे और खाना खाने के बाद अपनी पत्नी से जल्द ड्यूटी पर जाने की बात कहकर हरपालपुर के लिए निकल गए थे।

गंगा का जलस्तर फिर बढ़ा

चेतावनी बिंदु से 1 सेमी नीचे, 24 घंटे में 6 सेमी की बढ़त, बीमारियों का खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ गया है। रविवार तक लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद सोमवार को जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में गंगा का जलस्तर छह सेंटीमीटर बढ़ा है, जिससे यह चेतावनी बिंदु के बेहद करीब पहुंच गया है। वर्तमान में उन्नाव में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से महज एक सेंटीमीटर नीचे है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 111.950 मीटर था। रविवार शाम छह बजे तक इसमें दो सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई और यह 111.930 मीटर पर पहुंच गया था। इस गिरावट से तटवर्ती इलाकों के लोगों और प्रशासन ने कुछ राहत की उम्मीद जताई थी, लेकिन सोमवार को अचानक छह सेंटीमीटर की बढ़ोतरी ने स्थिति



फिर बदल दी। जलस्तर में इस बढ़ोतरी के बावजूद, तटवर्ती इलाकों में पहले से जमा पानी की समस्या बनी हुई है। गोताखोर, शाही नगर, मोहम्मद नगर, चंपापुरवा, मनसुख खेड़ा, कर्बला और हुसैन नगर जैसे कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी अभी पूरी तरह नहीं उतर सका है। कई घरों के आसपास पानी जमा होने से लोगों को दैनिक आवागमन में परेशानी हो रही है। जलस्तर बढ़ने से प्रभावित इलाकों के लोगों की मुश्किलें और बढ़ने की आशंका है। कई स्थानों पर लोग अब भी नावों के सहारे आवागमन कर रहे हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को पानी के बीच से निकलने में कठिनाई हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नदी का जलस्तर घटने के बाद भी जलभराव की समस्या खत्म नहीं हुई थी, और अब दोबारा बढ़ोतरी से उनकी चिंता बढ़ गई है। तटवर्ती इलाकों में पानी जमा होने के कारण लोगों को संक्रमण और मच्छरों से होने वाली बीमारियों का भी डर सता रहा है। प्रभावित लोगों ने प्रशासन से जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत कार्य और बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इधर, गंगा के जलस्तर में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव को देखते हुए प्रशासन और केंद्रीय जल आयोग की ओर से निगरानी की जा रही है। अधिकारियों की नजर नदी के जलस्तर और तटवर्ती इलाकों की स्थिति पर बनी हुई है। चेतावनी बिंदु से महज एक सेंटीमीटर नीचे जलस्तर पहुंचने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सम्पादकीय

मेटा को चेतावनी



यह अच्छा हुआ कि भारत सरकार ने इंस्टाग्राम, वाट्सएप और फेसबुक का संचालन करने वाली कंपनी मेटा को यह चेतावनी दी कि उसे भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। इसके साथ ही सरकार ने मेटा से अपने एल्गोरिदम को लेकर भी जवाब तलब किया है। यह सुनिश्चित करना होगा कि इस निर्देश का वास्तव में पालन हो, क्योंकि मेटा अथवा अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियां एलगोरिदम का मनमाना उपयोग करती हैं।

एआइ के आगमन के बाद उनके लिए ऐसा करना और आसान हो गया है। अब यह किसी से छिपा नहीं कि इंटरनेट कंपनियां एक विशेष एजेंडे का प्रचार-प्रसार करती हैं। वे यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोग क्या देखें और क्या नहीं? ऐसा करके वे लोगों के चिंतन को प्रभावित कर रही हैं। चिंताजनक यह है कि यह काम प्रायः संकीर्ण उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। यह एक तथ्य है कि इंटरनेट कंपनियां कई देशों में चुनावों को प्रभावित करने का काम कर चुकी हैं।

वे ऐसा भारत में भी कर चुकी हैं और इसका पता कैंब्रिज एनालिटिका मामले से चलता है। वैसे तो इंटरनेट मीडिया कंपनियां अपने को 'सोशल मीडिया' कहती हैं, लेकिन सच यह है कि वे असामाजिक और अराजक तत्वों को भी प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। वे ध्रुवीकरण के साथ ही सामाजिक विभाजन की खाई भी चौड़ी कर रही हैं। वे कई बार अपने गलत इरादों की पूर्ति करती हुई पाई गई हैं। हर बार वे माफी मांगकर बच निकलती हैं। भारत सरकार को अब केवल माफी से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। यदि कोई इंटरनेट मीडिया कंपनी अनुचित कार्य करती पाई जाए तो उसे वैसे ही कठोर दंड का भागीदार बनाया जाना चाहिए जैसे अनेक पश्चिमी देश समय-समय पर बनाते हैं और उन पर भारी जुर्माना लगाते हैं। अभी हाल में अमेरिका ने मेटा पर भारी जुर्माना लगाया। इंटरनेट मीडिया कंपनियां दुनिया भर में लोगों को लती भी बना रही हैं।

अभी हाल में मेटा ने प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो को हटाने को लेकर जो माफी मांगी, उसे खारिज कर सरकार ने उचित ही किया। समस्या केवल यह नहीं कि मेटा ने किसी खास एजेंडे के तहत शरारतपूर्ण ढंग से प्रधानमंत्री के वीडियो को हटाया, बल्कि यह भी है कि उसने यह माना कि उसके प्लेटफार्म पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के साथ-साथ डीपफेक वीडियो को बढ़ावा दिया गया।

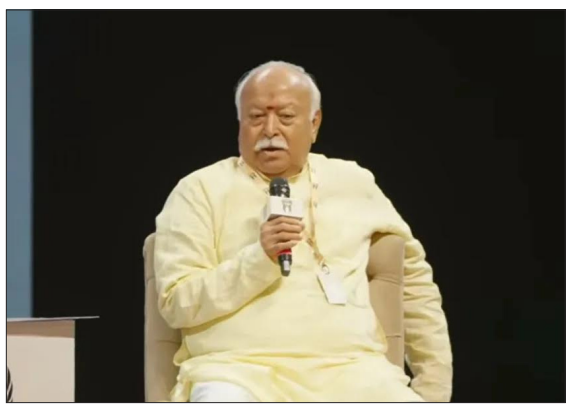
यह भी स्वीकारा कि उसने पैसे लेकर हानिकारक सामग्री को बढ़ावा दिया। ये सब ऐसी हरकतें हैं, जिनके लिए मेटा अथवा अन्य इंटरनेट कंपनियों को जवाबदेह बनाना अनिवार्य है। यह सही समय है कि भारत सरकार मेटा एवं अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियों को जवाबदेह बनाने के साथ ही इस पर भी विचार करे कि आखिर विदेशी इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर निर्भर रहना कहां तक उचित है?

एक नयी शुरुआत करें

दो नन्हे बच्चे जिनकी उम्र लगभग दो साल है। एक खिलौने को लेकर दोनो के बीच छीना-छपटी हो गई । उनकी ये हरकते हम सब हंसकर देख रहे थे । दोनो के चेहरे गुस्से से लाल हो गए। वह कोई भी हारने को तैयार नही था। वह कुछ ही देर बाद फिर से दोनो साथ मिलकर खेल-कूद करने लगे। वास्तव मे बच्चे मन के सच्चे होते हैं । मैंने सोच काश ! हम सभी लोग बच्चो के समान बन जाए । मन, वचन और काया मे सरलता से रमण करे। वह कलह होने पर भी कटुता को न जमायें । इस मामले मे बड़े होकर भी, बच्चे ही बने रहना है । हम देख सकतें हैं कि जिसके दिल मे माफ करने और गलती को भूलने का भान रहता हैं , वहां कटुता सुखी रेत के समान है । वह जिसका कलह की दीवार पर चिपकना असंभव है । मैत्री भावना का सदा स्मरण हो । खामेमि सववे जीवा, सववे जीवा खमनतु मे कटुता को कभी जमने को स्थान न मिलेगा। हम कटुता को क्यों जमाये ? वह जहां दो बरतन रहते हैं उनका आपस मे टकराना तो सम्भव है। वह फिर भी हर बरतन का अपना-अपना महत्व है । वे एक ही रसोई मे साथ-साथ रहते हैं । हम मनुष्य का मन भी बर्तन के समान हैं। वह जो टकराव के बाद भी एक-दुसरे के लिए जरुरी है। हम कभी क्यों कटुता का मैल जमायें ? हमको बस ! अपनी बात मजबूती से आई-गई करनी हैं । इसकी सरल मन ही सबसे बड़ी कुंजी है । हम देख सकतें हैं कि अधिकांश लोग या तो पिछली बातों को लेकर परेशान रहते हैं या फिर अघटित भविष्य के बारें में सोचकर परेशान होते हैं । उनको ऐसी स्थिति में पिछली सारी बातें भूलकर जिन्दगी में नईं शुरुआत करने को सोचना चाहिए क्योंकि ना तो वह गुजरे कल को बदल सकतें हैं और ना आने वाले कल पर आपका कोई जोर हैं । कटुता को छोड़ बीती बातों को भूलकर हमारी नयी शुरुआत ही अच्छे इंसान की पहचान है । हम रात बीती बात बीती से अब सोच आगे बढ़े । हमारे द्वारा माधुर्य के नव बीज बो देने की , बीती ताहि बिसार देने की और मनों के उजड़े नीड़ को फिर से बसा देने की कोशिश होनी चाहिए। हमारे द्वारा अनुभूत सत्य को तर्क से काटा नही जा सकता हैं ।आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने इसी आधार पर वर्षों पूर्व कहा था कि मैं आत्मा को मानता हूं , जानता नही हूं ।

› प्रदीप छाजेड़

भागवत की नजरों में जेन जी आंदोलन का दृष्टिकोण



> विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता।

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया। भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा। भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है।

ललित गर्ग

यही वजह है कि...

कमलेश पांडेय

भारत को समय रहते ही 'अमेरिकी फितरत' को समझना पड़ेगा और एहतियाती कदम उठाने पड़ेंगे

रूस प्रतिबंध विधेयक



अमेरिकी सीनेट द्वारा पारित नए 'रूस प्रतिबंध विधेयक' ने अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है क्योंकि यह विधेयक रूसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात करने वाले शीर्ष देशों, जिनमें भारत और चीन शामिल हैं, पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रविधान करता है। यही वजह है कि अमेरिका के सीनेट के इस कदम ने भारत-अमेरिका के भावी रिश्तों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

इसलिए सवाल उठता है कि अमेरिकी सीनेट द्वारा पारित नए 'रूस प्रतिबंध विधेयक' क्या हैं? इससे कौन कौन देश प्रभावित होंगे? और इससे भारतीय गुटनिर-पेक्षता का क्या हश्र होगा? तो दो टूक जवाब होगा कि हाँ—यह विधेयक भारत के लिए केवल रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों का मामला नहीं है; इसका बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका अब तीसरे देशों की विदेश एवं ऊर्जा नीति को भी अपने प्रतिबंधों के जरिए प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है? हालांकि, अभी एक महत्वपूर्ण शेष तथ्य यह है कि अमेरिकी सीनेट ने गत 7 अगस्त 2026 को रूस प्रतिबंध विधेयक 86–11 से पारित किया है लेकिन यह अभी कानून नहीं बना है। इसे प्रतिनिधि सभा से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी चाहिए। आइए, अब जानते हैं कि यह नया रूस प्रतिबंध विधेयक क्या है? तो यह जान लीजिए कि इस नए विधेयक का नाम "Lindsey O. Graham Sanctioning Russia and Iran Act of 2026" है, जिसके मुख्य प्रावधान हैं:- एक, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी नेतृत्व पर अतिरिक्त प्रतिबंध। दो, रूसी वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले "shadow fleet" पर कार्रवाई। तीन, रूस की तेल-गैस आय को कम करने के लिए उसके बड़े खरीदारों पर दबाव।

चार, सबसे विवादास्पद प्रावधान यह कि राष्ट्रपति को रूस के तेल/गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर 100% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार सौंप दिया गया है। पांचवां, ध्यान देने वाली बात यह है कि पुराने प्रारूप में 500% तक टैरिफ की चर्चा थी। लेकिन जुलाई में संशोधित संस्करण में इसे 100% किया गया और राष्ट्रपति को अधिक विवेकाधिकार दिया गया।

सवाल है कि इसमें भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा क्या है? तो जवाब होगा कि भारत सीधे रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों का लक्ष्य नहीं है; लेकिन रूस का बड़ा तेल खरीदार होने के कारण भारत "secondary sanctions" के निशाने पर आ सकता है। पहले के संशोधित विधेयक में संभावित शीर्ष पांच देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अज़रबैजान का उल्लेख विश्लेषणों में आया था। लेकिन अंतिम कानून में देशों की कोई स्थायी सूची नहीं लिखी गई है—कौन-से देश उस समय शीर्ष पांच में आते हैं, यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इसलिए यह कहना कि "भारत पर 100% टैरिफ लग ही गया" अभी गलत होगा, बल्कि सही बात यह है कि भारत पर 100% तक अमेरिकी टैरिफ लगाने का रास्ता खोला गया है और वह भी तभी जब विधेयक आगे कानून बनता है तथा अमेरिकी राष्ट्रपति उस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं।

तो जवाब होगा कि सबसे ज्यादा जोखिम चीन को उठाना पड़ेगा क्योंकि वह रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा ग्राहक और अमेरिका का सबसे बड़ा रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी है। ऐसा होने के कारण ही चीन प्रमुख निशाने पर है। जहां तक भारत की बात है तो भारत के लिए जोखिम सबसे गंभीर है क्योंकि रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना भारतीय ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई प्रबंधन का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है।

जहां तक तुर्किये की बात है तो रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार होने के कारण तुर्किये भी संभावित प्रभाव में आ सकता है। जहां तक कुछ यूरोपीय देशों की बात है तो

विशेषकर वे देश जो अभी भी रूसी ऊर्जा पर निर्भर हैं। हालांकि यूरोप में रूस से ऊर्जा निर्भरता काफी कम हुई है। जहां तक जापान तथा अन्य बड़े खरीदार देशों की बात है तो कानून का स्वरूप ऐसा है कि "शीर्ष पांच" की स्थिति समय के साथ बदल सकती है। Reuters ने भी चीन, भारत, जापान और कुछ यूरोपीय देशों को संभावित प्रभावित देशों में रखा है।

कृषि भूमि और...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जौनपुर में 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना: सूक्ष्म सिंचाई से संवर रहा किसानों का भविष्य

राज्य सरकार प्रदेश के कृषि परिदृश्य को आधुनिक, सस्टेनेबल (संधारणीय) और लाभांश-केंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में, जल संसाधनों के संरक्षण और 'प्रति बूंद अधिक फसल' (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के लिए सूक्ष्म सिंचाई (माइक्रो इरिगेशन) तकनीकों के विस्तार को एक जन-अभि-यान का रूप दिया गया है। भूजल संकट से निपटने और किसानों की आय में वास्तविक वृद्धि करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी कार्ययोजना आज राज्य की कृषि क्रांति की आधारशिला साबित हो रही है। इसी कड़ी में, प्रदेश का जौनपुर जनपद सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाकर कृषि विकास, जल संरक्षण और किसान कल्याण का एक उत्कृष्ट मॉडल बनकर उभर रहा है।

जौनपुर जनपद में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में कृषि और बागवानी के क्षेत्र में अभूतपूर्व सकारात्मक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। लंबे समय से पारंपरिक और जल-गहन सिंचाई तकनीकों के कारण जहां एक ओर बहुमूल्य भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, वहीं दूसरी ओर पानी के अपव्यय से किसानों की उत्पादन लागत में भी निरंतर वृद्धि हो रही थी। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के रूप में, केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित नीतियों के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों की स्थापना को युद्धस्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनपद के बक्शा, बदलापुर और बेसहूपुर जैसे विभिन्न विकास खंडों में इस दूरगामी योजना का व्यापक प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत किसानों को व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर अन्नदाता भी नवीनतम कृषि तकनीकों का निर्बाध लाभ उठा सकें। जौनपुर में ड्रिप और स्प्रिंकलर (फव्वारा) सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिए लघु और सीमांत किसानों को विशेष प्राथमिकता देते हुए 45 से 55 प्रतिशत तक का भारी सरकारी अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना की पूर्ण पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अनुदान की यह धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जा रही है। इस सुलभ, भ्रष्टाचार-मुक्त और किसान-हितैषी प्रक्रिया ने जनपद के हजारों किसानों को अपनी पारंपरिक पद्धतियां छोड़कर आधुनिक सिंचाई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, विशेष रूप से ड्रिप सिंचाई के माध्यम से सीधे पौधों की जड़ों तक जल की लक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इस वैज्ञानिक पद्धति के निरंतर उपयोग से सिंचाई में जल की खपत में लगभग 40 से 50 प्रतिशत तक की प्रत्यक्ष बचत दर्ज की गई है। जौनपुर जनपद, जो अपनी उर्वर

कृषि भूमि और विविध फसल चक्र के लिए जाना जाता है, वहां जल संरक्षण की यह दिशा न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायिनी साबित हो रही है। पानी की हर एक बूंद का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर जिला प्रशासन कृषि क्षेत्र में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने का महती कार्य कर रहा है।

जरा हटके

जायद की फसल...

डॉ. मनोज चंद्रा, प्रभारी अंग्रेजी

कृषि क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता एवं फसल सघनता में कीर्तिमान रच रहा है उत्तर प्रदेश



भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की धुरी कृषि है। उत्तर प्रदेश, जो कि देश का सबसे अधिक आबादी वाला और प्रमुख कृषि प्रधान राज्य है, हमेशा से ही अपनी उर्वर भूमि और मेहनतकश किसानों के लिए जाना जाता रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने कृषि क्षेत्र में जो अभूतपूर्व कार्य किए हैं, वे अब स्पष्ट रूप से आंकड़ों के माध्यम से धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2017 से लेकर अब तक सरकार की नीतियां किसान केंद्रित रही हैं और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बदलाव लाए गए। आज उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता और फसल सघनता के मामले में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने कार्यकाल में सुनिश्चित किया है कि राज्य की एक-एक इंच कृषि योग्य भूमि का सदुपयोग हो सके। किसानों को सिंचाई की समुचित व्यवस्था, समय पर बिजली और उन्नत संसाधन उपलब्ध कराने का सीधा परिणाम कृषि क्षेत्रफल में शानदार वृद्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2016-17 में जहां खरीफ की फसल का क्षेत्रफल 91.45 लाख हेक्टेयर था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 105.93 लाख हेक्टेयर हो गया है। खरीफ के क्षेत्रफल में यह 15.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। प्रदेश में मानसून पर निर्भरता को कम करते हुए सरकार ने सिंचाई के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए हैं जिससे किसान पूरे उत्साह के साथ बुवाई कर रहे हैं।

इसी प्रकार, रबी की फसल के क्षेत्रफल में भी शानदार विस्तार हुआ है। वर्ष 2016-17 में रबी का क्षेत्रफल 122.23 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 138.78 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। इसमें 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रबी की फसलों के लिए सुनिश्चित सिंचाई और समय पर खाद-बीज की उपलब्धता ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई है।

प्रदेश में सबसे अधिक चौंकाने वाले और ऐतिहासिक आंकड़े जायद की फसल के क्षेत्रफल में देखने को मिले हैं। जायद की फसल, जो आमतौर पर गर्मियों के मौसम में बोई जाती है, एक समय में पानी की कमी और संसाधनों के अभाव के कारण बहुत सीमित थी। 2016-17 में यह केवल 1.93 लाख हेक्टेयर तक सिमटी हुई थी। लेकिन योगी सरकार के प्रयासों से वर्ष 2024-25 में जायद का क्षेत्रफल बढ़कर 12.93 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसमें 570 प्रतिशत की अकल्पनीय और ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। वर्तमान सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही विभिन्न सुविधाओं का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश का किसान साल भर अपनी जमीन का उपयोग कर रहा है। कुल योग की बात करें तो 2016-17 में कुल कृषि क्षेत्रफल 215.61 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में 19.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 257.64 लाख हेक्टेयर के जादुई आंकड़े को पार कर चुका है।

क्षेत्रफल बढ़ने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की सरकार ने कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए जो वैज्ञानिक पद्धतियां और उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाए हैं, उससे उत्पादन के आंकड़े भी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उत्पादन वृद्धि के आंकड़े सरकार की सफलता की सबसे मजबूत गवाही देते हैं।

खरीफ की फसल का उत्पादन वर्ष 2016-17 में 181.75 मीट्रिक टन था, जो योगी सरकार की किसान हितकारी नीतियों के चलते 2024-25 में 45 प्रतिशत की विशाल वृद्धि के साथ 263.09 मीट्रिक टन हो गया है। इसी तरह रबी की फसल का उत्पादन, जो 2016-17 में 388.3 मीट्रिक टन था, वह 2024-25 में 24 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए 479.61 मीट्रिक टन के स्तर पर पहुंच गया है।

जायद की फसल के उत्पादन में तो उत्तर प्रदेश ने पूरे देश के सामने एक ऐसा मॉडल पेश किया है जो बेमिसाल है। वर्ष 2016-17 में जायद का उत्पादन मात्र 2.7 मीट्रिक टन हुआ करता था, जो अब 2024-25 में 1041 प्रतिशत की विशाल और अभूतपूर्व वृद्धि के साथ 30.81 मीट्रिक टन का उत्पादन कर रहा है। एक हजार प्रतिशत से अधिक की यह वृद्धि स्पष्ट करती है कि किसानों की मेहनत और सरकार के समर्थन का यह सर्वश्रेष्ठ तालमेल है। सभी फसलों के कुल उत्पादन के दृष्टिगत 2016-17 में राज्य का कुल कृषि उत्पादन 572.75 मीट्रिक टन था, जो 2024-25 में 35 प्रतिशत की समग्र वृद्धि के साथ 773.51 मीट्रिक टन हो गया है। यह उत्तर प्रदेश को देश का सबसे मजबूत कृषि राज्य बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। फसल सघनता किसी भी राज्य की कृषि प्रगति को मापने का सबसे सटीक पैमाना होता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि एक ही कृषि भूमि पर एक वर्ष में कितनी बार फसलें उगाई जा रही हैं। यह आंकड़ा तभी बढ़ता है जब किसानों के पास साल भर सिंचाई की सुविधा हो, उन्नत मशीनरी हो और उन्हें उनकी फसल का सही दाम मिलने का भरोसा हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश की फसल सघनता 163 प्रतिशत थी जबकि वर्तमान सरकार की अथक मेहनत, सिंचित क्षेत्र के विस्तार, नहरों के कायाकल्प, और किसानों को 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की वजह से वर्ष 2023-24 में यह फसल सघनता बढ़कर 182 प्रतिशत हो गई है। कुल 19 प्रतिशत की यह वृद्धि कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है; यह इस बात का प्रतीक है कि उत्तर प्रदेश का किसान अब एक साल में दो या उससे अधिक फसलें पूरी सफलता के साथ ले रहा है।

सुल्तानपुर विधायक पर हत्या की साजिश का आरोप

पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने रद्द को दी शिकायत, वायरल ऑडियो की फोरेंसिक जांच की मांग

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

शिकायती पत्र में यशभद्र सिंह ने बताया कि 6 अगस्त को सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से एक ऑडियो वायरल होने की जानकारी मिली। उनका आरोप है कि इस ऑडियो में विधायक विनोद सिंह एक महिला से बातचीत के दौरान सोनू और मोनू सिंह की हत्या कराने की बात कहते और उन्हें खत्म करने की धमकी देते सुनाई दे रहे हैं।

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में विधायक विनोद सिंह को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह उर्फ सोनू सिंह और उनके भाई पूर्व ब्लॉक प्रमुख यशभद्र सिंह उर्फ मोनू सिंह की हत्या की साजिश रचने का विधायक पर आरोप लगाया गया है।

मोनू सिंह ने सोमवार को दोपहर 2:30 बजे पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर विधायक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। मोनू सिंह ने कहा कि वायरल ऑडियो उनकी और उनके भाई सोनू सिंह की हत्या की कथित साजिश से जुड़ा है।

उन्होंने अपनी जान-माल को



खतरा बताते हुए पुलिस अधीक्षक से मामले में कार्रवाई की मांग की है। यशभद्र सिंह ने शिकायती पत्र के साथ वायरल ऑडियो की रिकॉर्डिंग पेन ड्राइव में पुलिस को सौंपी है। उन्होंने मांग की है कि ऑडियो की आवाज और उसकी सत्यता की जांच विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराई जाए।

उन्होंने पुलिस से वायरल ऑडियो के आधार

वायरल ऑडियो में विधायक के नाम से कही गईं ये बातें

वायरल ऑडियो में विधायक के नाम से एक महिला से बातचीत का दावा किया जा रहा है। ऑडियो में आवाज कहती सुनाई देती है कि सोनू-मोनू सुल्तानपुर के हैं और उनसे दुश्मनी इस वजह से ली गई कि वे हत्या करा सकते हैं। इसके बाद दोनों की हत्या करवाने के लिए बातचीत होने की बात भी कथित तौर पर कही गई है। ऑडियो में यह भी कहा गया है कि पहले उनके हमला करने का इंतजार किया गया और उसके बाद उन्हें खत्म करने की बात थी। साथ ही दोनों भाइयों को घर तक सीमित रखने और बाहर नहीं निकलने का दावा किया गया है।

पर मामले की गंभीरता से जांच करने और विधायक विनोद सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।



ऑडियो एआई से बना होने के दावे पर मोनू ने दी जांच की चुनौती

वायरल ऑडियो की सत्यता और उसमें महिला की ओर से लगाए जा रहे आरोपों को लेकर मोनू सिंह ने कहा कि इस संबंध में संबंधित पक्षों या केएनआईटी के पूर्व प्रोफेसरों से जानकारी ली जा सकती है। ऑडियो के एआई-जनरेटेड होने के दावों पर उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति अपना वॉइस सैंपल देकर फोरेंसिक जांच करा सकता है। यदि जांच में वह निर्दोष पाया जाता है तो ऑडियो वायरल करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

प्रयागराज और अयोध्या कोर्ट परिसर में हमलों का भी जिक्र

शिकायत में मोनू सिंह ने अपने और अपने भाई से जुड़ी पुरानी घटनाओं का भी उल्लेख किया है।

उन्होंने प्रयागराज न्यायालय परिसर में हुए जानलेवा हमले का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें पुलिसकर्मी, अधिवक्ता और प्रार्थी को गंभीर चोटें आई थीं। इसके अलावा 9 जुलाई 2024 को अयोध्या न्यायालय परिसर में हुए हमले का भी जिक्र किया गया है।

मोनू सिंह के मुताबिक, इस घटना में कई लोग घायल हुए थे और मामले में विधायक विनोद सिंह नामजद अभियुक्त हैं।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती के लिए 11 अगस्त को होंगे मथुरा के पहलवानों के ट्रायल

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। नाग पंचमी के अवसर पर 16 और 17 अगस्त को गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में होने वाली प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के लिए मथुरा के पहलवानों का जिला स्तरीय चयन एवं ट्रायल 11 अगस्त को सुबह 11 बजे स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होगा।

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में 55 से 65 किलोग्राम, 66 से 80 किलोग्राम और 80 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में मुकाबले होंगे। विजेता पहलवानों को उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु जैसे खिताब से सम्मानित किया जाएगा।

विजेताओं को 11 हजार से लेकर 1.01 लाख रुपये तक नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। जिला स्तर पर चयनित पहलवानों को आगरा मंडल की टीम के लिए 12 अगस्त को दोपहर तीन बजे आगरा में मंडल स्तरीय ट्रायल में हिस्सा लेना होगा।

जिला स्तरीय ट्रायल में शामिल होने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। इच्छुक खिलाड़ी 11 अगस्त को सुबह 11 बजे स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा पहुंचकर अंशकालिक कुश्ती प्रशिक्षक विनोद यादव से संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7985317283 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला स्तरीय ट्रायल में शामिल होने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। विजेता पहलवानों को उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु जैसे खिताब से सम्मानित किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

एक युवक पर 3 तेंदुओं ने हमला किया

मुरादाबाद। मुरादाबाद में उत्तराखंड सीमा से सटे गांवों में तेंदुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। तेंदुओं के हमले में हाल ही में एक महिला की मौत हो चुकी है, जबकि एक किसान गंभीर रूप से घायल हुआ था। सोमवार तड़के करीब 4 बजे वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजड़े में एक तेंदुआ फंस गया। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली, लेकिन करीब 6 घंटे बाद ही तीन तेंदुओं ने एक युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया।

बीडीओ ने बच्चों संग किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बलदेव। पर्यावरण संरक्षण और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में पौधारोपण कर बच्चों और ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ पौधे लगाए तथा उनकी देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी नेहा रावत और विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

भूतपूर्व सैनिक परिषद ने प्रशासन-पुलिस को सौंपे ज्ञापन

मथुरा। मथुरा में भूतपूर्व सैनिक परिषद ने सोमवार दोपहर करीब 2 बजे प्रशासन और पुलिस प्रशासन को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। इन ज्ञापनों में विभिन्न जनसमस्याओं और लंबित मामलों के तत्काल निस्तारण की मांग की गई। परिषद ने संबंधित अधिकारियों से पीड़ितों को शीघ्र राहत दिलाने का आग्रह किया। मकान के सामने लगे खराब हैंडपंप को हटाने या स्थानांतरित करने की मांग की गई।

अबान के दोस्त उमर-जैद की हालत नाजुक

एक का फेफड़ा फटा, दूसरा अजीब हरकतें कर रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। अतीक के सबसे छोटे बेटे अबान की हादसे में मौत के बाद उसे 8 अगस्त (शनिवार) को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। हादसे में घायल अबान के रिश्तेदार उमर और जैद की हालत नाजुक है। उमर का इलाज प्रयागराज के आशुतोष हॉस्पिटल में चल रहा था। उसकी 3 पसलियां टूटी हैं। हाथ-पैर में फैक्चर है। उसके लंग्स में ज्यादा दिक्कत आ गई है। बताते हैं कि फेफड़ा फट गया है। शनिवार शाम तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ी, तो उसे दिल्ली के मेदांता ले जाकर शिफ्ट कर दिया गया। रविवार को उसका ऑपरेशन हुआ। दूसरे घायल जैद की भी हालत नाजुक है। रविवार सुबह उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर दिल्ली ले जाया गया। उसे दिल्ली के मिलिट्री अस्पताल में



शनिवार को जेल से पैरोल पर लाए गए अली और उमर ने पुलिस की मौजूदगी में छोटे भाई अबान को मिट्टी दी थी।

शिफ्ट किया गया है। जैद की 2 पसलियां टूटी हैं। एक हाथ और दोनों पैर फैक्चर होने के साथ गर्दन के पास जख्म है। जैद के सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से वह अजीब हरकतें कर रहा है। जैद शहर के अमन अस्पताल में भर्ती था।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

देशभक्ति के नारों से गूंजा क्षेत्र, राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। चांदा कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा दोपहर करीब 12 बजे अमरूपुर से शुरू हुई और करीब 1:30 बजे कोथरा बाजार में समाप्त हुई। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारे लगाए और राष्ट्रप्रेम व एकता का संदेश दिया। यात्रा का नेतृत्व भाजपा मंडल अमरूपुर के मंडल अध्यक्ष मुकेश चंद्र तिवारी ने किया। लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक सीताराम वर्मा के पुत्र कर्नल पंकज पटेल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यात्रा में भाजपा जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी अखिलेश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष व भाजपा जिला मंत्री अरुण जायसवाल, अमरदेव सिंह, अशोक सिंह और केएन वर्मा



समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत दुबे, शुभम पांडेय, रवि निषाद, रवि जायसवाल, अजय गोस्वामी, रविशंकर तिवारी और राणा प्रताप सिंह समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भी यात्रा में हिस्सा लिया।

यात्रा के समापन पर कार्यकर्ताओं ने तिरंगे के सम्मान और राष्ट्र की एकता-अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान थाना कोतवाली चांदा पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था संभाली और यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग किया।



जगह-जगह हुआ तिरंगा यात्रा का स्वागत

अमरूपुर से कोथरा बाजार तक निकली यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। यात्रा के समापन पर कार्यकर्ताओं ने तिरंगे के सम्मान और राष्ट्र की एकता-अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। तिरंगा यात्रा को देखते हुए चांदा कोतवाली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। पुलिस-कर्मियों ने यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था संभाली और कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग किया।

काशी में 26 लाख की बीएमडब्ल्यू सुपरबाइक सीज

फायरिंग जैसी आवाज निकालते हुए दौड़ा रहा था, पुलिस से गिड़गिड़ाया- गलती हो गई

पकड़े जाने पर युवक शिवांग ने कहा- गलती हो गई। मैंने बाइक को मॉडिफाई कराया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस ने 26 लाख रुपए की BMW सुपरबाइक सीज की है। बाइक के मॉडिफाइड साइलेंसर से फायरिंग जैसी तेज आवाज निकल रही थी। रविवार रात करीब 10 बजे पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी युवक तेज आवाज निकालते हुए बाइक से गुजरा। पुलिस ने उसे रोक लिया और बाइक समेत थाने ले आई। पकड़े जाने पर युवक पुलिस से माफी मांगने लगा।



उसने कहा- 'साहब, गलती हो गई। अब दोबारा ऐसा नहीं करूंगा। मुझे माफ कर दीजिए।' मामला सिगरा थाना क्षेत्र का है युवक की पहचान मंडुआडीह निवासी शिवांग के रूप में हुई है। उसने पुलिस को बताया कि 15 दिन पहले BMW बाइक खरीदी थी। इसके बाद साइलेंसर मॉडिफाई कराया। बाइक की नंबर प्लेट अभी नहीं मिली थी। सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि बाइक सवार करीब 10 दिन से सड़कों, मोहल्लों और कॉलोनियों में तेज रफ्तार बाइक दौड़ा रहा था। मॉडिफाइड साइलेंसर से फायरिंग जैसी आवाज निकालता था। किसी के पास से गुजरते समय तेज धमाके जैसी आवाज करता था। इससे लोग घबरा जाते थे। इसके लेकर लोग पुलिस से शिकायत कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया- लगातार शिकायतें मिलने के बाद पुलिस बाइक सवार की तलाश कर रही थी। रविवार रात इंग्लिशिया लाइन के पास चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। मोटर व्हीकल एक्ट और प्रदूषण संबंधी नियमों के उल्लंघन पर बाइक सीज कर दी गई। कानूनी कार्रवाई के बाद युवक को छोड़ दिया गया।

कानपुर में पार्षद ने गड्ढे में उतरकर प्रदर्शन किया, बोलीं- जहर जैसा पानी पिलाया जा रहा

वाटर लाइन में सीवर का पानी आने पर फूटा गुस्सा

पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने महिलाओं के साथ बोतल में काला पानी लेकर गड्ढे में उतरकर प्रदर्शन किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के जूही क्षेत्र में पिछले एक साल से दूषित जलापूर्ति की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा सोमवार को सड़क पर उतर आया। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने महिलाओं के साथ जूही बारा देवी चौराहे पर गंदा और काला पानी लेकर गड्ढे में उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने जल निगम और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग उठाई।



वार्ड-14 के 15 इलाकों में एक साल से दूषित वाटर सप्लाई

पार्षद शालू कनौजिया ने बताया कि प्रभावित इलाकों की करीब 10 हजार की आबादी लंबे समय से गंदा पानी पीने को मजबूर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी में बदबू आती है और उसका रंग काला हो जाता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

इन इलाकों में वाटर सप्लाई से आ रहा गंदा पानी

जूही के संत रविदास नगर, बाथम का अड्डा, राखी मंडी, विनोबा नगर, बारा देवी, लक्ष्मणपुरवा समेत आसपास के लगभग डेढ़ दर्जन मोहल्लों में वाटर लाइन में गंदा पानी आ रहा है। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने बोतलों में भरा गंदा पानी दिखाते हुए कहा कि वह इसी पानी का इस्तेमाल पीने और घरेलू कार्यों में करने को मजबूर हैं। पार्षद ने चेतावनी दी कि अगर जल्द जलापूर्ति व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो क्षेत्रवासी जल निगम कार्यालय का घेराव करेंगे और आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है। कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की तत्काल जांच कर उसे बदला जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। कई बार अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दूषित पानी के कारण हजारों लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। इतना ही नहीं लोगों को जहर जैसा पानी पिलाया जा रहा है। कि पानी में बदबू आती है और उसका रंग काला हो जाता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

वारदात : झांसी में 9 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप था, एक दिन पहले पुलिस ने किया था गिरफ्तार

थाने में पुजारी ने फांसी लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में 62 साल के पुजारी ने थाने के टॉयलेट में फंदे से लटककर जान दे दी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे पुलिसकर्मियों ने उन्हें फंदे से लटका देखा। पुलिसकर्मियों ने तत्काल नीचे उतारा और अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर पुजारी को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना जिला मुख्यालय से करीब 70 किमी दूर गुरसराय थाने की है। पुलिस के मुताबिक, 9 साल की बच्ची से छेड़छाड़ के आरोप में पुजारी को रविवार दोपहर करीब 12.30 बजे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। उधर, पुजारी की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने थाने में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने



पुजारी को झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पुजारी आरोप सहन नहीं कर पाए। पुजारी की मौत के बाद गांव में तनाव है। स्थिति को देखते हुए गांव में पीएसी और पुलिस बल तैनात किया गया है। गुरसराय थाना क्षेत्र के सिंगार गांव के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद मंदिर के पुजारी थे। उनके तीन बेटे और एक बेटी रजनी है। दोनों बेटों और बेटी की शादी हो चुकी है। बड़े बेटे विनय ने बताया- हमारे गांव में राधा-कृष्ण का मंदिर है। मंदिर की करीब 8 बीघा जमीन है। हमारे परिवार की तीन पीढ़ियां मंदिर में पूजा करती आ रही हैं। अभी पिता और मैं पूजा करते थे। विनय ने बताया- गांव के कुछ लोग हमें मंदिर से हटाना चाहते हैं। हमारे दो घर हैं। एक में हम लोग रहते हैं और दूसरे घर में जानवर बांधते हैं। वहीं बोरिंग लगी है, जिससे घर में पानी आता है। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे पिता सबमर्सिबल पंप बंद करने गए थे। उसी समय 9 साल की बच्ची गेट पर लगे पेड़ से कनेर के फूल तोड़ रही थी। गांव के लोग भी वहां से फूल तोड़ते हैं। पिता ने उसे सिर्फ डांट दिया था। इसके बाद वह घर चली गई। पता नहीं उसने घर जाकर क्या बताया कि उसके परिवार वाले पिता पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने लगे। विनय ने बताया- दोपहर करीब 12:30 बजे उन लोगों ने डायल-112 पर फोन कर पुलिस बुला ली। पुलिस पिता को थाने ले गई। हम लोग थाने पहुंचे तो पहले उनसे मिलने नहीं दिया गया। शाम करीब 7 बजे हमें पिता से मिलने दिया गया। रात करीब 10:30 बजे थाने में उन्हें खाना खिलाकर हम घर आ गए। उस समय पिता कह रहे थे कि वह निर्दोष हैं। विनय के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे मैं चाय लेकर थाने गया तो पिता वहां नहीं थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें पथरी, गैस और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए सुबह करीब 6 बजे अस्पताल भेज दिया गया है। करीब एक घंटे बाद पुलिसवालों ने हमें बताया कि पिता बाथरूम गए थे और वहां लुंगी से फंदा लगा लिया। इसके बाद हम लोग मेडिकल कॉलेज पहुंचे तो बताया गया कि उनका इलाज चल रहा है। थोड़ी देर बाद पुलिस उनकी लाश लेकर जाने लगी, तभी हमें पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। पिता की लाश देखकर बेटा विनय रोने-चिल्लाने लगा और हंगामा करने लगा। वह पुलिस से कहने लगा, हमें बताना तो चाहिए था। हमें लाश दिखाई और कहा कि अभी इलाज चल रहा है। हमें धोखे में क्यों रखा? बताना तो चाहिए था कि मौत हो गई है। इंस्पेक्टर ने विनय को समझाया और सांत्वना देकर शांत कराया।

सहारनपुर में पहाड़ों से आया सैलाब, पुल टूटकर बिखरा

लखनऊ-नोएडा में तेज बारिश, फर्रुखाबाद में बाढ़, बर्बादी देखकर महिलाएं रोईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में सोमवार को लखनऊ-नोएडा समेत 30 से अधिक शहरों में बारिश हुई। सहारनपुर में 24 घंटे से लगातार बरसात हो रही है। इससे गंगराव नदी और शाकुंभरी मंदिर के पास की बरसाती नदी में सैलाब आ गया है। बहाव इतना तेज था कि मिर्जापुर क्षेत्र में गंगराव नदी पर बना रपटा पुल क्षतिग्रस्त हो गया। नदी का पानी दिल्ली यमुनोत्री हाइवे के ऊपर से बहने लगा। सड़कों-कॉलोनियों में 3-4 फीट पानी भर गया। घरों-दुकानों में पानी भर गया। कारें-बाइकें आधी डूब गईं। पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का



पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। दर्जनों गांव टापू बन गए हैं। लोग अपने गांवों और घरों को छोड़कर सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। रात के वक्त सड़कों पर सोने को मजबूर हैं। फर्रुखाबाद में 21 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। कटान की जद में आए बाकी मकानों को लोग खुद ही तोड़ रहे, ताकि ईंट-सरिया जैसे सामानों को बचा सकें और हालात सुधरने के बाद फिर से घर बनाने में उनका इस्तेमाल कर सकें। मकान टूटते देख महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। बिलखते हुए कहा- पाई-पाई जोड़कर घर बनाया, लेकिन बाढ़ ने जिंदगीभर की कमाई बर्बाद कर दी। अब कहां जाएंगे? मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग डूब गया। भक्त एक फीट पानी में उतरकर परिक्रमा कर रहे हैं। कानपुर शहर से 25 किमी. दूर गंगा के ब्रह्मावर्त घाट पर 'ब्रह्मा की खूंटी' मंदिर में खूंटी डूब गई है। काशी में गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। मौसम विभाग ने आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com
पश्चिमी यूपी
लखनऊ, मंगलवार 11 अगस्त 2026

संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रपति को सौंपा मांग-पत्र

किसानों, मजदूरों की विभिन्न मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के आह्वान पर भारत छोड़ो दिवस की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को देशव्यापी जेल भरो एवं विरोध कार्यक्रम के तहत मथुरा में भी किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। किसान सभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता दोपहर करीब डेढ़ बजे जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम मांग-पत्र भेजा। मांग-पत्र में किसानों, मजदूरों और आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। किसानों की बढ़ती ऋणग्रस्तता और किसान आत्महत्याओं का मुद्दा भी मांग-पत्र



में प्रमुखता से शामिल रहा। संगठन ने किसानों के व्यापक कर्जमाफी की मांग करते हुए किसान आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। साथ ही ऐसे परिवारों के पूर्ण पुनर्वास की व्यवस्था किए जाने की मांग भी उठाई गई।

भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते का विरोध

किसान संगठनों ने भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते का विरोध करते हुए कृषि उपज के मुक्त आयात पर रोक लगाने की मांग की। किसानों का कहना है कि विदेशी कृषि उत्पादों के मुक्त आयात से घरेलू बाजार में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने में परेशानी हो सकती है। संगठन ने कृषि क्षेत्र और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसी नीतियां बनाने की मांग की, जिससे देश के किसानों को बाजार में बेहतर सुरक्षा मिल सके।

चारों श्रम संहिताएं रद्द करने की मांग

किसान संगठनों ने श्रमिकों से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। मांग-पत्र में चारों श्रम संहिताओं को रद्द करने की मांग की गई। इसके साथ ही श्रमिकों के लिए 42 हजार रुपये प्रतिमाह का वैधानिक न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने की मांग की गई। संगठन का कहना है कि मजदूरों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए पर्याप्त मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा मिलना जरूरी है।



सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग

मांग-पत्र में सभी फसलों के लिए C2+50 प्रतिशत के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की कानूनी गारंटी देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके साथ ही सरकार द्वारा सुनिश्चित खरीद की व्यवस्था लागू करने की भी मांग की गई। किसान सभा ने कहा कि केवल समर्थन मूल्य घोषित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी उपज का निर्धारित मूल्य वास्तविक रूप से मिले, इसके लिए सरकारी खरीद की मजबूत व्यवस्था जरूरी है।

फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 अगस्त

गैर ऋणी किसान 14 अगस्त तक कराएं बीमा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। खरीफ सीजन में फसल बीमा कराने वाले किसानों के लिए कृषि विभाग ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह ने बताया कि अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। फसल बीमा का पोर्टल खुला हुआ है। जनपद मथुरा में वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत एचडीएफसी एरगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को कार्यान्वयन एजेंसी नामित किया गया है। खरीफ सीजन में जिले के लिए धान, बाजरा और अरहर फसलों को अधिसूचित किया गया है। धान की बीमित राशि 64,200 रुपये प्रति हेक्टेयर तथा किसान प्रीमियम 2 प्रतिशत यानी 1,284 रुपये है। बाजरा की बीमित राशि 51,100 रुपये प्रति हेक्टेयर और प्रीमियम 1,022 रुपये तथा अरहर की बीमित राशि 85,600 रुपये प्रति हेक्टेयर और प्रीमियम 1,712 रुपये निर्धारित है। विभाग के अनुसार ऋणी किसानों (केसीसी धारकों) के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है, जबकि गैर ऋणी किसानों के लिए 14 अगस्त 2026 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। गैर ऋणी किसान जन सेवा केंद्र के माध्यम से निर्धारित तिथि तक फसल का बीमा करा सकते हैं। जो ऋणी किसान अधिसूचित फसलों का बीमा नहीं कराना चाहते हैं, उन्हें अंतिम तिथि से कम से कम सात दिन पहले संबंधित बैंक शाखा में लिखित प्रार्थना पत्र देना होगा। ऐसा नहीं करने पर बैंक खाते से निर्धारित प्रीमियम की धनराशि काट ली जाएगी।

फास्ट न्यूज

नगर परिक्रमा में शिवमय हुआ आगरा

आगरा। आगरा में रविवार को नगर परिक्रमा में आगरा पूरी तरह शिवमय नजर आया। बम-बम भोले के जयकारों से गूंजती सड़कों पर शिवभक्त भोले की भक्ति में लीन नजर आए। आस्था का यह नजारा हर किसी का मन मोह रहा था। कई भक्तों की कमर में घंटारी बंधी थी तो कोई त्रिशूल लेकर चल रहे थे। भगवा वस्त्र, रुद्राक्ष की माला और माथे पर त्रिपुंड लगाए शिवभक्तों की टोलियां पूरे शहर में भक्ति की लहर दौड़ाती हुई आगे बढ़ रही थीं।

पिसावा में नाबालिग से घर में घुसकर छेड़छाड़

अलीगढ़। पिसावा के शेरपुर गांव में एक नाबालिग लड़की से घर में घुसकर छेड़छाड़ का प्रयास किया गया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पिता ने बताया कि रविवार को वह और उनकी पत्नी किसी काम से गांव से बाहर गए थे। बच्ची घर में अकेली थी। इसी दौरान, उनके पड़ोस का रिश्तेदार सतीश पुत्र विजेंद्र सिंह, निवासी आतुररा, थाना गोंडा, जनपद अलीगढ़, उनके घर में घुस आया। आरोपी ने बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। शाम को जब पीड़ित घर लौटे, तो उन्होंने दरवाजा खुला देखा।

खैर में युवती प्रेमी के साथ गई

खैर। अलीगढ़ के खैर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक युवती अपने दो बच्चों को परिजनों के पास छोड़कर अपनी इच्छा से एक युवक के साथ चली गई। युवती के परिजनों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपने फैसले पर कायम रही। मामला खैर कोतवाली के हलका पला चांद क्षेत्र के एक गांव का है। बताया गया कि युवती कुछ दिन पहले भी घर से चली गई थी।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

देशभक्ति के नारों से गूंजा क्षेत्र, राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश

तमसा संकेत, एजेंसी



सुलतानपुर। सुलतानपुर के चांदा कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा दोपहर करीब 12 बजे अमरूपुर से शुरू होकर 1:30 बजे कोथरा बाजार में समाप्त हुई। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और राष्ट्रप्रेम व एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा मंडल अमरूपुर के मंडल अध्यक्ष मुकेश चंद्र तिवारी ने किया। इस अवसर पर लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक सीताराम वर्मा के पुत्र कर्नल पंकज पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यात्रा में भाजपा जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी अखिलेश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष व भाजपा जिला मंत्री अरुण जायसवाल, अमरदेव सिंह, अशोक सिंह, केएन वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत दुबे, शुभम पांडेय, रवि निषाद, रवि अमरूपुर से कोथरा बाजार तक निकली इस यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

शरीर के 12 टुकड़े कर ट्रॉली बैग में भरे

हाथ-पैर और पसलियों को तेजाब से जलाया, सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध, आगरा में ट्रेन में मिला था

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में तमिलनाडु एक्सप्रेस में मिले ट्रॉली बैग में मानव शरीर के 12 टुकड़े थे। 72 घंटे बाद आई पोस्टमार्टम के अनुसार, हत्या करने के बाद शव को कटर से काटा गया। उसके छोटे-छोटे टुकड़े किए। इसके बाद इन टुकड़ों को बैग में भर दिया। हाथ-पैर और पसलियों को तेजाब से जलाया था। इसके बाद ट्रेन की जनरल बोगी में रख दिया। ये टुकड़े महिला के हैं या पुरुष के, इसके लिए फोरेंसिक टीम ने DNA सैंपल लिए हैं। वहीं रेलवे पुलिस को चेन्नई रेलवे स्टेशन पर लगे एक CCTV में संदिग्ध लड़का-लड़की दिखे हैं। उनके हाथ में सेम यही बैग दिख रहा है। पुलिस अब दोनों की तलाश कर रही है। दरअसल, 5 अगस्त को तमिलनाडु एक्सप्रेस में लाश के टुकड़ों से भरा



ट्रॉली बैग मिला था। बैग से खून चूते हुए बाहर निकल रहा था। इसे देखते ही एक यात्री चिल्लाने लगा। इसके बाद बाकी यात्रियों ने रेलवे पुलिस को सूचना दी। ट्रेन चेन्नई से नई दिल्ली जा रही थी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शव महिला का है या पुरुष का। पहचान सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक टीम ने डीएनए सैंपल सुरक्षित किए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मृतक की पहचान और जांच की दिशा स्पष्ट हो सकेगी।

सीसीटीवी में संदिग्ध युवक-युवती आए नजर

जांच के दौरान जीआरपी की टीम चेन्नई पहुंची और वहां रेलवे स्टेशन के CCTV फुटेज खंगाले। फुटेज में एक युवक और युवती उसी तरह का ट्रॉली बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिए हैं। दोनों की पहचान कराने के लिए चेन्नई पुलिस की मदद ली जा रही है। पुलिस अब चेन्नई से आगरा के बीच आने वाले सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट CCTV फुटेज की जांच कर रही है। अब तक करीब 300 CCTV कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी जा चुकी है। सिर्फ चेन्नई स्टेशन पर ही 80 से 90 कैमरों की फुटेज खंगाली गई है।

जीआरपी के सीओ राजेश दीक्षित ने बताया- बैग ट्रेन में किसने रखा और हत्या कहां की गई, इसकी जांच जारी है। अभी तक आगरा या आसपास के किसी इलाके से शव के अन्य अंग मिलने की सूचना नहीं मिली है। जीआरपी ने हत्या, साक्ष्य मिटाने और आपराधिक साजिश समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



72 घंटे बाद आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट

बैग से मिले मानव अंगों का डॉक्टरों और फोरेंसिक विशेषज्ञों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। करीब 72 घंटे बाद आई रिपोर्ट में सामने आया कि शव को किसी धारदार कटर से काटकर 12 हिस्सों में बांटा गया था। डॉक्टरों के अनुसार, बरामद अंग पूरे शरीर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हैं। आशंका है कि शव के बाकी हिस्सों को भी आरोपियों ने कहीं और ठिकाने लगा दिया।

संयुक्त किसान मोर्चा का जेल भरो आंदोलन

राष्ट्रपति के नाम सौंपा मांग पत्र, केंद्र सरकार से आश्वासन लागू करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सोमवार को सुल्तानपुर में 'जेल भरो' आंदोलन और विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान मोर्चा के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित एक विस्तृत मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से दोपहर 1 बजे अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस विरोध प्रदर्शन को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का भी समर्थन मिला। मोर्चा ने ज्ञापन के जरिए कृषि, आर्थिक और सामाजिक संकटों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने 9 दिसंबर 2021 को दिल्ली सीमाओं पर हुए किसान आंदोलन के समय दिए गए लिखित आश्वासनों को तत्काल लागू करने की मांग की। मोर्चा की प्रमुख मांगों में सभी फसलों के लिए C2+50% के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद सुनिश्चित करना



शामिल है। इसके साथ ही, ग्रामीण ऋणग्रस्तता समाप्त करने के लिए व्यापक कर्ज माफी लागू करने की मांग की गई। किसानों ने आत्महत्या पीड़ित परिवारों को 25 लाख का मुआवजा और पुनर्वास प्रदान करने की भी मांग की।

मनरेगा के तहत प्रति वर्ष 200 दिनों के काम की गारंटी और न्यूनतम 700 प्रतिदिन की मजदूरी देने की भी बात कही गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष शारदा प्रसाद पांडेय, कैलाश नाथ तिवारी (अ.भा. किसान सभा), राधेश्याम वर्मा (AIKS), मो० सैफ अली (अ.भा. किसान सभा), राम कृपाल सिंह, बाबूराम यादव,

तत्काल वापस लेने की अपील

60 वर्ष से अधिक आयु के सभी किसानों को 10,000 प्रति माह की सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। इसके अतिरिक्त, विद्युत निजीकरण विधेयक 2025, बीज विधेयक 2025 और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को तत्काल वापस लेने की अपील की गई। जबरन भूमि अधिग्रहण और कॉर्पोरेट-समर्थक 'भूमि पूलिंग' को रोकने पर जोर दिया गया। मोर्चा ने LARR अधिनियम 2013, वन अधिकार अधिनियम 2006 और पेसा 1996 के तहत भूमि अधिकारों की रक्षा की मांग की।

उर्वरकों की कमी और कालाबाजारी समाप्त कर सब्सिडी बहाल करने तथा व्यापक सार्वजनिक क्षेत्र की फसल व पशुधन बीमा योजना स्थापित करने की भी मांग की गई। अंत में, अनुसंधान एवं विकास के लिए केंद्रीय बजट का 6%और शिक्षा के लिए सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 6%आवंटित करने की मांग की गई। भारतीय खाद्य निगम (FCI) के निजीकरण और साइलो संचालन में एकाधिकार पर रोक लगाने की भी अपील की गई।

राम विशाल मौर्य (भा.कि.यू. टिकैत गुट) और छोटेलाल यादव (भा.कि.यू. अंबावता गुट) समेत कई प्रमुख किसान नेता व कार्यकर्ता।

दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने वाला 13 मुकदमों का आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के ENI कंपनी के आठ इंजन ऑयल के डिब्बे, एक गाड़ी का सेल्फ और 800 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त 2026 की सुबह दुकान का शटर तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। मामले में थाना कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 566/2026 धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में 9 अगस्त की रात 11:50 बजे थाना कोतवाली पुलिस ने अलवर-बाजना रेलवे पुल के पास हाईवे किनारे से दिनेश पुत्र बीधा, निवासी नौगांव,



थाना छाता, मथुरा, उम्र करीब 32 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी का सामान और नकदी बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

उसके खिलाफ थाना कोतवाली, छाता, हाईवे और फरह में चोरी, हत्या, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत कुल 13 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2022 में थाना छाता में दर्ज हत्या और साक्ष्य मिटाने से संबंधित मुकदमा तथा वर्ष 2019 में थाना हाईवे में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा भी शामिल है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा, उपनिरीक्षक संजीव कुमार, उपनिरीक्षक मुश्ताक मेहदी, हेड कांस्टेबल लोकमन और कांस्टेबल धीरज सिंह शामिल रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

तिरंगा हमारी एकता ...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। भालोटिया मार्केट में मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने यात्रा के स्वागत की विशेष तैयारी की थी। जैसे ही मुख्यमंत्री का काफिला वहां पहुंचा, कार्यकारिणी के सदस्यों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस दौरान भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

झारखंड विधानसभा ...

प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट में कहा, 'झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।' छात्र नेता देवेंद्र नाथ महोती की धरनास्थल पर तबीयत बिगड़ गई। पुलिस प्रशासन ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले आंदोलनकारी छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। CCTV कैमरों से निगरानी की जा रही है। इधर, CID ने JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को JPSC ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। CID उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड PSC-SSC की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वे एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल हुए। तौलकर बेच रहे नौकरी, वाटर कैनन पर रेन डांस:कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा 'पुष्पा राज', छात्रों के लिए आया 'स्पाइडर मैन', झारखंड प्रदर्शन की 12 रील्स शिबू सोरेन की तस्वीर लेकर प्रदर्शन में पहुंचे देवेन्द्र महतो:बैरिकेडिंग पर चढ़े छात्र, कहा -हक लेकर रहेंगे; 12 तस्वीरों में देखिए छात्रों का प्रोटेस्ट अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत बिगड़ गई। पुलिस प्रशासन ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि सरकार हमारी मांगों पर गंभीर नहीं है। सरकार की मंशा हमारे साथ नहीं है। अब यह आंदोलन जन आंदोलन की ओर कूच कर चुका है। एक प्रदर्शनकारी छात्रा ने कहा कि एक भी महिला पुलिस कर्मी नहीं थी, सभी लोगों को खदेड़ कर मारा जा रहा है। एक तरफ झारखंड सरकार 'महिला सम्मान योजना' चलाती है, तो दूसरी तरफ ये लोग माताओं-बहनों के साथ मारपीट करते हैं। इन्हें काली वर्दी पहनाई जानी चाहिए।

जंतर-मंतर पर...

हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया और 10 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान सदन में मौजूद रहने का आदेश दिया। लोकसभा में चार अहम बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 शामिल हैं। संसद ने सोमवार को टैक्सेशन और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि इस कानून में UPI पर कोई टैक्स या ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लगाया गया है। लोकसभा से पिछले सप्ताह पारित विधेयक को राज्यसभा ने संक्षिप्त चर्चा और वित्त मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष पहले दिन से ही चाहता है कि छात्रों के मुद्दे पर गृह मंत्री सदन में बयान दें, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। अभी दो दिन बाकी हैं। सरकार के पास दोनों मुद्दों- अयोध्या राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी और छात्र आंदोलन पर चर्चा करने का समय है। भगवान राम को चढ़ाए गए चंदे में चोरी होना कोई सामान्य बात नहीं है। यह करोड़ों लोगों की आस्था का सवाल है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर इसका जवाब कौन देगा। केंद्र ने सोमवार को स्पष्ट किया कि प्रमुख एयरपोर्ट ऑपरेटरों के एयरलाइंस में हिस्सेदारी रखने पर कोई सरकारी रोक नहीं है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में इस बात की जानकारी दी। और यदि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी तो वे पूरी तरह से फेल हैं। मंत्री मुरलीधर ने बताया कि हालांकि कुछ PPP एयरपोर्ट के मौजूदा समझौतों में एयरलाइंस और उनकी ग्रुप कंपनियों को एयरपोर्ट ऑपरेटरों में हिस्सेदारी रखने पर प्रतिबंध है। AAI को इन प्रतिबंधों में छूट के लिए अनुरोध मिला है, लेकिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अभी मामले की जांच नहीं की है। दरअसल मीडिया रिपोर्टों में GMR और अडाणी ग्रुप के एयरलाइन कारोबार में प्रवेश की बात कही गई थी। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने इसे खारिज करते हुए कहा कि वह एयरलाइन कारोबार में प्रवेश के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है और रिपोर्टें बेबुनियाद हैं। RJD सांसद मनोज झा ने कहा, ₹सरकार की असंवेदनशीलता का एक पिरामिड खड़ा हो गया है। छात्रों पर पैलेट गन चलाई गईं, कीलों वाली लाठियों का इस्तेमाल किया गया और चंदे व चढ़ावे की चोरी के मुद्दे भी हैं। कल ममता बनर्जी के साथ जो हुआ, उससे साफ होता है कि संसदीय लोकतांत्रिक परंपराओं और सदाचार के मानदंडों को खत्म कर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 को लोकसभा में 3 अगस्त को पेश किया था। 6 अगस्त को लोकसभा ने ध्वनिमत से पारित किया। राज्यसभा में यह बिल सोमवार को पेश हुआ और आज ही बिल पारित कर दिया। बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 का मकसद बैंकों के रिकॉर्ड को अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के नियमों को मौजूदा डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था के हिसाब से अपडेट करना है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसद के बाहर कहा कि शाह के बयान को लेकर सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। गोगोई ने कहा- सरकार ने यह नहीं बताया कि वह अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है या नहीं। संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (BAC) की बैठक में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सदन में जारी गतिरोध पर चिंता जताई। उन्होंने फ्लोर लीडर्स से भावुक अपील करते हुए कहा कि जनता की आवाज सदन में सुनी जानी चाहिए। प्रश्नकाल चलने दें और अहम बिलों पर चर्चा करें।

तीन बागी टीएमसी ...

लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी TMC सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय किया था। इसके बाद NDA को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से NCPI सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अबू ताहिर और खलीलुर रहमान के मुताबिक, स्पीकर अभी भी उन्हें संसद में TMC सांसद कहकर संबोधित करते हैं और उनके नाम के साथ TMC लिखा जाता है। पीएम मोदी ने 7 जुलाई को अपने आवास पर NDA के सांसदों के लिए ब्रेकफास्ट मीटिंग आयोजित की थी। इस दौरान NCPI में शामिल हुए TMC के बागी सांसद और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय करने वाले शिवसेना (UBT) के सांसद भी मौजूद थे। ब्रेकफास्ट मीटिंग में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, BJP अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ TMC के बागी सांसद खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान और अबू ताहिर खान भी मौजूद थे।

बॉक्सर नरेंद्र ने पाकिस्तानी प्लेयर का नरेंद्र नाम से नफरत वाला किस्सा सुनाया, पीएम हंस दिए

मीराबाई के आंसू गोल्ड मेडल जैसे लगे : मोदी

मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सोमवार को यूट्यूब पर लाइव किया गया।

पीएम मोदी ने बातचीत की शुरुआत में कहा, पिछले 10-12 सालों में अगर मैं इस आवास पर नियमित रूप से किसी से मिला हूं, तो वे खिलाड़ी हैं। 10-12 सालों में खिलाड़ियों की मेहनत, लगातार सफलता और नई ऊंचाइयों को



पीएम मोदी गोल्ड मेडलिस्ट मीराबाई चानू से बातचीत करते हुए।

छूने की परंपरा ने देश का मान बढ़ाया है। नरेंद्र बेरवाल ने 2015 वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स का एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनका पहला मुकाबला पाकिस्तान के बॉक्सर से था।

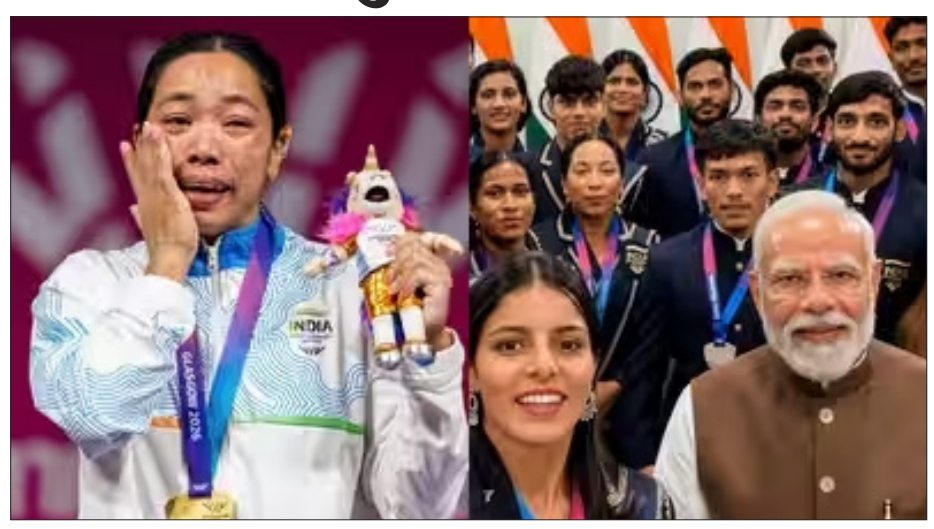
चानू बोलीं- मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी

PM मोदी ने वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से कहा, आपके इतने आंसू टपक रहे थे कि मुझे लगा, हर बूंद से जैसे गोल्ड मेडल टपक रहा हो। चानू ने कहा, पेरिस ओलिंपिक में मेडल से चूकने के बाद पिछले चार साल मेरे लिए बेहद मुश्किल रहे। इस दौरान मुझे लगातार चोटों और पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद जब मैं पोडियम पर खड़ी थी और राष्ट्रगान बज रहा था, तब मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी। चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48 kg वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाकर गोल्ड जीता था।

जादुमणि बोले- पाकिस्तानी बॉक्सर को हराना तय कर लिया था

बॉक्सर जादुमणि सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले का अनुभव साझा किया। उन्होंने 26 जुलाई को प्री-क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के रहमान सुमामा को 5-0 से हराया था। मुकाबला कारगिल विजय दिवस के दिन हुआ था। मुकाबले से पहले भारतीय सेना की ओर से उन्हें फोन आया था। कहा गया था कि पाकिस्तान से मुकाबला नहीं हारना है।

जादुमणि ने कहा कि वे भारतीय सेना से जुड़े हैं। इसलिए उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि पाकिस्तान को हराना है। जीत के बाद उन्होंने अपना मेडल कारगिल के वीरों को समर्पित किया। पीएम मोदी ने भी उनके इस जज्बे की तारीफ की।



दिलीप ने मेडल अपने कोच को गिफ्ट किया

पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने अपना मेडल कोच को डेडिकेट किया। उन्होंने बताया कि इवेंट के दिन गुरु पूर्णिमा थी। इसलिए उन्होंने मेडल अपने गुरु को गिफ्ट कर दिया। दिलीप ने पैरा T47 कैटेगरी की 100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय निकालकर गोल्ड जीता था।

- हरियाणा की सीमा कालीरमन ने भी मुलाकात का मजेदार किस्सा बताया। उन्होंने कहा कि उनके दोस्त अक्सर मजाक में पूछते थे- तुमने मोदी से मुलाकात कर ली।
- सीमा ने कहा कि अब वह खुशी से उन्हें बता पाएंगी- हां, मैं मोदी जी से मिली हूं। सीमा ने डिस्कस थ्रो में 58.65 मीटर का थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

सरफराज खान दो साल बाद भारतीय टीम में शामिल

चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

BCCI ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर



लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।

श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप (पीठ की चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।

नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

37 गेंद में 86 रन बनाए, हैम्पशायर ने ससेक्स को 51 रन से हराया

इंग्लैंड डोमेस्टिक वनडे-टोबी ने 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए

होव, एजेंसी

इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी अल्बर्ट ने लगातार 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रन की तेज पारी खेली।

अल्बर्ट ने पहले ओवर में 2 छक्के आए। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने लगातार 4 गेंदों को सिक्स के लिए भेज दिया।

अल्बर्ट की पारी के बदौलत हैम्पशायर ने 383/9 रन बनाए। जवाब में ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया।

अल्बर्ट जब बल्लेबाजी करने आए, तब हैम्पशायर का स्कोर 200 रन के पार पहुंच चुका था। उन्होंने आते ही रन बनाने की रफ्तार बढ़ा दी। ससेक्स के नैटेस ओस्टहुइजन गेंदबाजी कर रहे थे। अल्बर्ट ने उनके ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके बाद अगला ओवर ओली कर्टली लेकर आए। अल्बर्ट ने उनकी लगातार चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए। हालांकि, इन छक्कों को एक ओवर में लगाए गए 6 छक्कों का रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा। वजह यह है कि ये दो अलग-अलग ओवर में आए। अल्बर्ट ने 37 गेंदों पर 86 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 8 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा।





ससेक्स की शुरुआत खराब रही। टॉम हेन्स और ओली कार्टर जल्दी आउट हो गए। इसके बाद चार्ली टियर ने पारी संभाली। उन्होंने 94 गेंदों पर 111 रन बनाए। टियर ने 13 चौके और 2 छक्के लगाए।

अल्बर्ट को 21 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। हैम्पशायर ने 189 गेंदों में 200 रन पूरे कर लिए थे। अल्बर्ट के बाद एडी जैक ने 5 गेंदों पर 20 रन बनाए। उन्होंने भी एक छक्का लगाया। हैम्पशायर ने 50 ओवर में 383/9 का स्कोर खड़ा कर दिया।

225 रन की ओपनिंग साझेदारी

हैम्पशायर की शुरुआत शानदार रही। एक समय टीम का स्कोर 225 रन बिना किसी नुकसान के था। ओपनर अली ऑर और 18 साल के बेन मेयस दोनों ने शतक लगाए। ऑर ने 105 रन बनाए। उन्होंने 14 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं मेयस ने 109 रन की पारी खेली। यह उनका लिस्ट-ए क्रिकेट में पहला शतक था। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी सिर्फ 92 गेंदों में पूरी हुई थी।

मनोरंजन

पत्नी सुनीता के अफेयर के आरोपों पर गोविंदा बोले- दूरी बनाने के लिए बुराई करना जरूरी नहीं

'कामयाबी के लिए अपनों को बदनाम करना गलत'

नई दिल्ली, एजेंसी

गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के उन आरोपों पर जवाब दिया है, जिनमें उन्होंने उनके कई अफेयर्स की बात कही थी। गोविंदा ने कहा कि सुनिता सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में नकारात्मक बातें कर स्टारडम हासिल कर रही हैं। साथ ही एक्टर ने कहा कि क्या आपको कामयाबी के लिए दूसरों को बदनाम करना जरूरी है।

बातचीत में सुनीता के कई लड़कियों से अफेयर के दावों पर गोविंदा ने कहा, "वह मुझे बहुत प्यार से गाली देती हैं और मैं उनके हाथ से खाता भी हूं। मुझे लगता है



कि जो लोग जहां हैं और भगवान ने उन्हें जो भी भूमिका दी है, अगर वो वहां नहीं होते हम कामयाब नहीं हो सकते थे।"सुनीता आहूजा हाल ही में 'लॉक अप 2' की कंटेस्टेंट बनी थीं। शो के दौरान उन्होंने गोविंदा के कथित अफेयर्स पर बात की



गोविंदा बोले- दूरी बनाने के लिए आरोप लगाना जरूरी नहीं

गोविंदा ने इशारा किया कि उनके बारे में खुलकर बोलने के बाद सुनीता को स्टारडम मिला। उन्होंने कहा, "बहुत सी बातें ऐसी होती हैं, जो बयां नहीं की जातीं। क्या दूरी बनाने के लिए आरोप लगाने की जरूरत है क्या? लेकिन लोग मानते हैं कि ये निकलने का आसान रास्ता है।"

उन्होंने सवाल किया, "कामयाबी के लिए अपने ही लोगों की बुराई जरूरी है क्या? यह थोड़ा आसान है। सुनीता तारीफ करती है फिर एक बुराई करती है। मुझे इसमें ज्यादा प्यार दिखाई देता है।"

थी। उन्होंने कहा था, "प्यार में आपको हर चीज सहन करने में सक्षम होना चाहिए। चीची (गोविंदा) के जवानी में कई अफेयर्स रहे हैं। तब मैंने नजरअंदाज किया था, लेकिन अब नहीं करूंगी।

'जोरू का गुलाम' के डायरेक्टर नूरानी रेप केस में गिरफ्तार

एक्ट्रेस का आरोप-नशीली दवा दी, दुष्कर्म के बाद गर्भनिरोधक गोलियां देते थे 2016 का मामला

नई दिल्ली। फिल्म जोरू का गुलाम के डायरेक्टर 73 साल के शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

33 साल की एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग समेत कई आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, ये मामला 2016 का है।

मुंबई पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, एक्ट्रेस की शकील नूरानी से पहली मुलाकात 2016 में लोखंडवाला में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई थी। उन्होंने उनसे आने वाले एक प्रोजेक्ट के बारे में बात की और काम के लिए संपर्क करने को कहा था। शिकायत के मुताबिक बाद में एक्ट्रेस स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए शकील नूरानी के मालवानी स्थित घर गई थीं। वहां नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद



आरोप है कि डायरेक्टर शकील नूरानी ने एक्ट्रेस को स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए अपने घर बुलाया। उसे पीने के लिए सॉफ्ट ड्रिंक दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस बेहोश हो गईं।

वह बेहोश हो गईं। बाद में FIR दर्ज कर जांच शुरू की गई। एक्ट्रेस ने FIR में आरोप लगाया कि होश आने के बाद शकील नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल पर एक्ट्रेस का वीडियो दिखाया। उन्होंने धमकी दी कि पुलिस से संपर्क करने या परिवार को जानकारी देने पर वह वीडियो सर्कुलेट कर देंगे। एक्ट्रेस का आरोप है कि नूरानी ने इसी कथित वीडियो के जरिए उन्हें धमकाया और कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

कश्मीर में राजेश खन्ना ने तेज सप्रू को गालियां दीं

अगले दिन माफी मांगी, फिर दोनों रातभर बैठकर पीते रहे

नई दिल्ली। एक्टर तेज सप्रू ने हाल ही में बताया कि राजेश खन्ना ने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें गालियां दी थीं।

'द रेडिफ' के पॉडकास्ट में तेज सप्रू ने बताया कि इस घटना से उनका दिल टूट गया था, क्योंकि वो राजेश खन्ना की बहुत इज्जत करते थे।

राजेश खन्ना की पर्सनैलिटी पर बात करते हुए तेज सप्रू ने कहा कि जब कोई शिखर पर होता है, तो कई बार उसके आसपास के लोग ही उसका दिमाग ज्यादा खराब कर देते हैं। हालांकि, राजेश खन्ना को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि "इतने बड़े दिल वाला मैंने शायद ही किसी को देखा है।"

पॉडकास्ट में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपनी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई घटना का जिक्र किया। सप्रू ने बताया, "एक बार हम साथ काम कर रहे थे। तभी अचानक पीछे से किसी की मुझे गालियां देते हुए आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़कर देखा तो पाया कि वह काका जी (राजेश खन्ना) थे।"

तेज सप्रू ने बताया कि जब राजेश खन्ना ने उन्हें गालियां दीं, तब वह एक एक्ट्रेस के साथ थे। हालांकि उन्होंने उस एक्ट्रेस का नाम और यह नहीं बताया कि राजेश खन्ना ने उन्हें गाली क्यों दी थी? सप्रू ने कहा कि इस घटना ने उन्हें बहुत परेशान कर दिया था। उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना की पहली फिल्म (राज) उनके पिता डीके सप्रू के साथ थी और वह उनका बहुत सम्मान करते थे। तेज सप्रू ने कहा, "मैं सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि खुद से सीनियर और मेरे पिता के साथ काम करने वाले हर शख्स का सम्मान करता हूं। चाहे वह बड़ा एक्टर हो या छोटा, जब तक वह बैठ नहीं जाता, मैं खुद कुर्सी पर नहीं बैठता।"

आमिर को इग्नोर करने के दावे पर भड़कीं प्रीति जिंटा, बोलीं- नेगेटिविटी बढ़ाओगे तो तस्वीरों के लिए रुकने की उम्मीद न करें

आमिर को इग्नोर करने के दावे पर भड़कीं प्रीति जिंटा

नई दिल्ली। प्रीति जिंटा ने फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के दौरान आमिर खान को नजरअंदाज करने के दावों को खारिज किया। प्रीति ने पोस्ट को 'क्लिकबेट कंटेंट' बताया और कहा कि उन्होंने उस समय आमिर को देखा ही नहीं था।

दरअसल, एक पैपराजी अकाउंट ने फिल्म के प्रमोशनल इवेंट का वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में प्रीति अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलकर फोटोग्राफर्स से पूछती दिखीं, 'एक मिनट, गाइज, कहां जाना है?'

फोटोग्राफर्स के दिशा बताने के बाद प्रीति दूसरी तरफ चली गईं। आमिर अपनी वैनिटी वैन के पास खड़े थे, लेकिन प्रीति ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद एक पैपराजी पेज ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, 'ओह नो, प्रीति जिंटा ने आमिर खान को नजरअंदाज किया?'



प्रीति लगभग 8 साल के बाद आमिर खान द्वारा निर्मित फिल्म 'बंटवारा 1947' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

प्रीति ने आगे लिखा, 'अगली बार, अगर आपका इरादा किसी भी तरह की नेगेटिविटी को बढ़ावा देना है, तो मुझसे यह उम्मीद न करें कि मैं रुककर तस्वीरें खिंचवाऊंगी। आमिर के लिए मेरे मन में बहुत प्यार और सम्मान है, इसलिए यह पोस्ट अच्छी बात नहीं है।' बता दें कि प्रीति जिंटा जल्द अपकमिंगम फिल्म 'बंटवारा 1947' में नजर आएंगे। फिल्म में सनी देओल, करण देओल, शबाना आजमी, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी हैं। फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार संतोषी हैं और इसके प्रोड्यूसर आमिर खान (आमिर खान प्रोडक्शंस) तथा अपर्णा पुरोहित हैं।

फिल्म भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की कहानी हिंसा, विस्थापन और पारिवारिक संघर्ष से जूझ रहे एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। 'बंटवारा 1947' 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

यूजर्स ने दोनों के बीच अनबन की अटकलें लगाईं

वीडियो के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों एक्टर्स के बीच किसी विवाद या असहज रिश्ते को लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दीं। प्रीति ने बाद में इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो को पेश करने के तरीके की आलोचना की।

उन्होंने लिखा, 'इस तरह का क्लिकबेट कंटेंट ठीक नहीं है। मैंने आमिर को नहीं देखा, क्योंकि मैं अंदर कुछ शॉट्स शूट करने की जल्दी में थी और फिर 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए फ्लाइट पकड़नी थी।'

पहली बार किसी विदेशी डिप्लोमेट से अकेले मिले, कुछ देर में चीनी राजदूत से मिलेंगे

नेपाली पीएम ने भारतीय राजदूत से की मुलाकात

चर्चा

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सोमवार को भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी राजदूत के साथ शाह की यह पहली वन-टू-वन मुलाकात है।

नवीन श्रीवास्तव ने शाह को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने भारत की ओर से नेपाल के साथ अच्छे रिश्ते और सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही। दोनों के बीच भारत-नेपाल संबंधों, विकास सहयोग और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा हुई। बालेन शाह ने कहा कि भारत और नेपाल के रिश्ते पुराने और भरोसेमंद हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने, बिजली, सड़क और दूसरे विकास कार्यों में मिलकर काम जारी रखने पर जोर दिया। बालेन शाह कुछ देर में चीनी राजदूत झांग माओमिंग से भी मिलेंगे।



अब विदेशी राजदूतों से सीधे मुलाकात भी इसी बदली हुई रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लंबे समय तक सीधे संवाद से दूरी बनाने पर नेपाल के कूटनीतिक रिश्तों पर असर पड़ने की चिंता भी थी।

नेपाली पीएम बालेन शाह ने अपना ही नियम क्यों तोड़ा

बालेन शाह जब काठमांडू के मेयर थे, तब उन्होंने विदेशी राजदूतों से अकेले मुलाकात न करने का रुख अपनाया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने भारत, चीन और अमेरिका समेत कई देशों के राजदूतों और वरिष्ठ अधिकारियों से वन-टू-वन बैठक से दूरी बनाए रखी। शाह का मानना था कि शक्तिशाली देश नेपाल की सरकारी व्यवस्था को दरकिनार कर सीधे शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच बनाने की कोशिश करते हैं। सामूहिक बैठकों से वह सभी देशों के साथ बराबरी का संदेश देना चाहते थे। लेकिन सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद सलाहकारों ने उन्हें घरेलू और विदेशी स्तर पर अलग-अलग लोगों से मिलने की सलाह दी। इसके बाद शाह ने नेताओं, कारोबारियों और उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें शुरू कीं।



बालेन शाह ने पीएम बनने के बाद विदेशी राजनयिकों से सिर्फ समूह (ग्रुप) में मुलाकात करने की नीति अपनाई।

पहले विदेशी अधिकारियों से अकेले नहीं मिलते थे शाह

प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती दौर में शाह ने विदेश मंत्री के स्तर से नीचे के विदेशी अधिकारियों से वन-टू-वन मुलाकात नहीं करने की नीति अपनाई थी। वह विदेशी राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकों को प्राथमिकता देते थे।

इसी वजह से भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की 11-12 मई की नेपाल यात्रा के दौरान भी शाह से उनकी अकेले में मुलाकात नहीं हो सकी थी। शाह ने अमेरिकी अधिकारियों समीर पॉल कपूर और सर्जियो गोर से मुलाकात के अनुरोध भी स्वीकार नहीं किए थे।

इसके बजाय शाह ने 9 अप्रैल और 26 मई को काठमांडू में तैनात कई देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकें की थीं।

अमेरिका: न्यू जर्सी में स्कूल बस में सो गया 9 साल का बच्चा

परिवहन डिपो में मिला अकेला, उठ रहे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी



न्यू जर्सी में 9 साल का एक बच्चा स्कूल बस में सो जाने के कारण अपने स्कूल पहुंचने के बजाय सीधे बस डिपो पहुंच गया। पीपुल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चा जब डिपो में खड़ी खाली बस में सोकर उठा, तो उसे खुद ही डिपो से बाहर निकलने का रास्ता खोजना पड़ा। इस घटना के बाद बच्चे की मां अब स्कूल प्रशासन और परिवहन विभाग से जवाब मांग रही हैं कि बस के डिपो पहुंचने के बाद भी उनका बच्चा अंदर कैसे छूटा रह गया।

WPVI के अनुसार, बच्चे की मां वांडा चैंडलर ने बताया कि यह घटना गुरुवार, 6 अगस्त को हुई। उनका 9 साल का बेटा ब्लैकवुड, न्यू जर्सी स्थित यूनियन वैली एलीमेंट्री स्कूल में समर स्कूल के अपने आखिरी दिन बस से जा रहा था। चैंडलर ने बताया कि घटना के लगभग ढाई घंटे बाद उन्हें ग्लोस्टर टाउनशिप पब्लिक स्कूल्स डिस्ट्रिक्ट से एक फोन आया। उन्हें बताया गया कि उनका बेटा स्कूल नहीं पहुंचा है। बाद में पता चला कि बच्चा बस में ही सो गया था और अपना स्टॉप निकल जाने की वजह से आगे निकल गया।

बच्चे ने मीडिया को बताया कि जब उसकी आंख खुली, तो उसने खुद को बस डिपो में खड़ी एक खाली बस में पाया। उसने हिम्मत नहीं हारी और खुद ही बस का दरवाजा खोलने का तरीका खोजा।

दरवाजा खोलकर बाहर निकलने के बाद उसने किसी मदद की तलाश शुरू की। बच्चे ने बताया कि उसने वहां एक व्यक्ति को देखा और उससे पूछा कि वह वापस कैसे जा सकता है।

फास्ट न्यूज

अमेरिका: टेकऑफ के लिए तैयार थी अलास्का एयरलाइंस की फ्लाइट 305

वाशिंगटन। रविवार शाम मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीएटल के लिए उड़ान भरने वाली अलास्का एयर-लाइंस की फ्लाइट को अचानक वापस गेट पर लौटना पड़ा।

क्रू मेंबर्स द्वारा यात्रियों की तरफ से धमकी मिलने की रिपोर्ट के बाद पायलटों ने एहतियात के तौर पर कॉकपिट लॉकडाउन

लैब-ग्रोन हीरे से घटेगी अक्चिप्स की गर्मी

बीजिंग। एआई की दुनिया में इन दिनों सबसे बड़ी चुनौती ताकतवर प्रोसेसरों से निकलने वाली अत्यधिक गर्मी को नियंत्रित करना है। एआई चिप्स हर सेकंड में खरबों कैल्क्युलेशन करते हैं, जिससे भयंकर ऊष्मा पैदा होती है। अगर इस गर्मी को समय रहते कम न किया जाए, तो चिप की स्पीड धीमी हो जाती है, बिजली की खपत बढ़ जाती है और प्रोसेसर जल्दी खराब हो सकता है।

आभूषणों की शान बढ़ाने वाले लैब-ग्रोन डायमंड यानी कृत्रिम हीरे इस तकनीकी समस्या का सबसे बड़ा समाधान बनकर उभरा हैं। हीरा हीट का सबसे बेहतरीन सुचालक होता है।

सऊदी अरब में सोफा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

रियाद। सऊदी अरब के रियाद स्थित मूसा सनैया इलाके में एक सोफा कारखाने में लगी भीषण आग में 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई है। सोमवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की। मंत्रालय ने रविवार को हुई इस घटना पर एक आधिकारिक बयान जारी कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

डाबर ने एफएसएसएआई पर भेदभाव का लगाया आरोप

कहा- कॉम्पिटिटर्स को फायदा पहुंचा रही

नई दिल्ली, एजेंसी



एफएमसीजी कंपनी डाबर ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कंपनी ने FSSAI पर भेदभाव करने का आरोप लगाया है।

इसके अलावा कंपनी ने FSSAI पर कॉम्पिटिटर्स में शामिल अन्य मैन्युफैक्चरर्स के कॉमर्शियल हितों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। डाबर का दावा है कि प्रोडक्ट्स पर 100% दावे के इस्तेमाल को तुरंत बैन करने के आदेश से उसकी 150 करोड़ रुपए की वैल्यू की इन्वेंट्री यानी माल नष्ट होने के जोखिम में आ गया था।

6 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में डाबर ने FSSAI के इस आदेश को बिना सोच-समझकर जारी किया गया और एकतरफा बताया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कंपनी को राहत देते हुए FSSAI के आदेश पर 24 अगस्त तक स्टे लगा दिया। कोर्ट ने माना कि ऐसा कोई भी निर्देश जारी करने से पहले कंपनी को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए था। फूड रेगुलेटर FSSAI ने प्रोसेस्ड फूड प्रॉडक्ट्स के विज्ञापनों और लेबल्स पर 100% प्योर, 100% नेचुरल या 100% ऑर्गेनिक जैसे दावों को भ्रामक माना है। FSSAI के अनुसार, इस तरह के दावे फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवर्टाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशन, 2018 का उल्लंघन करते हैं।

पीओके में तीसरे चरण की वोटिंग टली

लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच फैसला, शहबाज की पार्टी पीएमएल-एन ने अब तक 24 सीटें जीतीं

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में 10 अगस्त सोमवार को होने वाली वोटिंग टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगातार हो रहे प्रदर्शन के चलते यह चुनाव अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए हैं।

PoK में कुल 45 सीटें हैं जिन पर चुनाव हो रहा है। इससे पहले दो चरणों में शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) ने कुल 24 सीटें जीतीं। इसके बाद PML-N का PoK में सरकार बनाना तय था। लेकिन तीसरे चरण की 11 सीटों पर चुनाव अब टल गया है।

PoK में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़क गई। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई थी। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें भी हुईं।



भारत ने चुनाव को दिखावटी बताया

भारत लंबे समय से PoK में होने वाले चुनावों को खारिज करता रहा है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान को उस इलाके में कोई राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है, जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है।

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में पाकिस्तानी फौज ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं।



पीओके में रविवार को विरोध करते हुए प्रदर्नकारियों ने पाकिस्तानी फौज की वर्दी सड़क पर टांग दी।

भारत ने PoK में हो रहे चुनावों को मानने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान इन चुनावों के जरिए PoK पर अपने अवैध कब्जे को छिपाने और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

12 रिजर्व सीटें रद्द करने की मांग पर आंदोलन

आंदोलनों के सफल होने से JAAC का जनाधार बढ़ा। अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर PoK को ज्यादा स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है। सबसे बड़ी मांग PoK विधानसभा की 45 सीटों में से 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की है। ये सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं। JAAC का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें PoK की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। JAAC के मुताबिक इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है।

हारे तो मनमानी पर रोक लगेगी, नवंबर में होनी है वोटिंग, मिडटर्म के लिए नवंबर में होनी है वोटिंग

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार के 65% चांस

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इप्सॉस-एएपीआई सर्वे के मुताबिक, चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के हारने की संभावना 65% तक है। मिडटर्म के लिए वोटिंग नवंबर में होनी है।

मिडटर्म चुनाव ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के बीच होने वाला बड़ा राजनीतिक इम्तिहान है। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के साथ राज्यों और स्थानीय सरकारों के कई अहम पदों के लिए वोटिंग होगी। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के करीब 80% उम्मीदवार पहले ही तय हो चुके हैं।

मिडटर्म में रिपब्लिकन पार्टी हारती है तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। लेकिन कांग्रेस में बहुमत खोने पर उनके फैसलों पर रोक-टोक बढ़ सकती है। ईरान युद्ध अब सिर्फ विदेश नीति का मामला नहीं है। इसका असर सीधे अमेरिकी लोगों की जेब पर पड़ रहा है। इप्सोस सर्वे में 20% वोटरों ने ईरान युद्ध को वोट का अहम मुद्दा बताया।



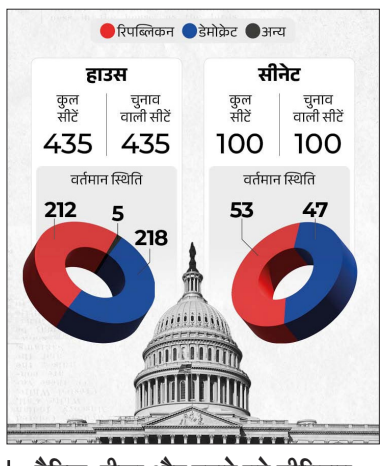
अगर जंग लंबी खिंची और तेल महंगा हुआ तो पेट्रोल, ट्रांसपोर्ट और रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। यानी ट्रम्प के सामने चुनौती है ईरान पर सख्ती भी दिखानी है और अमेरिकी लोगों को महंगाई से राहत का भरोसा भी देना है।

2024 में इमिग्रेशन ट्रम्प की बड़ी ताकत था, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। हालिया सर्वे में 61% अमेरिकियों ने ट्रम्प की इमिग्रेशन नीति का विरोध किया, जबकि समर्थन सिर्फ 39% रहा।

महंगाई: ट्रम्प की आर्थिक रेटिंग 32% पर फिसल गई

अमेरिकी वोटरों की सबसे बड़ी चिंता महंगाई है। इप्सोस सर्वे में 54% लोगों ने महंगाई और अर्थव्यवस्था को वोट का बड़ा मुद्दा बताया। वहीं, एपी-एनओआरसी सर्वे में सिर्फ 32% लोगों ने माना कि ट्रम्प अर्थव्यवस्था अच्छी तरह संभाल रहे हैं। 69% अमेरिकियों को मौजूदा आर्थिक हालात खराब लगते हैं। इप्सोस सर्वे में 65% लोगों ने कहा कि रोजमर्रा का किराना महंगा पड़ रहा है, जबकि 48% को डर है कि अगले साल आर्थिक हालात और खराब हो सकते हैं।

कहां कितनी सीटों पर होगा मुकाबला



टैरिफ, वीजा और दूसरे बड़े नीतिगत फैसलों को लागू करने में ट्रम्प को डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। कार्यकाल के बाकी दो साल में उन्हें कांग्रेस के साथ ज्यादा तालमेल बनाकर चलना होगा।

थाईलैंड में पूर्व सांसद ने सरकारी अधिकारी पर चला दी गोली

पूर्व सांसद ने नोनथाबुरी सरकारी कार्यालय में की गोलीबारी

बैंकाक, एजेंसी

थाईलैंड के नोनथाबुरी स्थित एक सरकारी कार्यालय में एक पूर्व सांसद ने एक सीनियर अधिकारी और उनके ड्राइवर पर गोलीबारी हुई है। इस हमले में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना देबसिरिन नोनथाबुरी स्कूल में एक किशोर द्वारा की गई भीषण गोलीबारी के कुछ ही दिनों बाद हुई है। गोली चलाने वाले संदिग्ध बंदूकधारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

प्रांतीय पुलिस कमांडर मेजर जनरल देजरपी कोंगडी ने कहा कि पूर्व सांसद, संदिग्ध बंदूकधारी ने नॉनथाबुरी प्रोविंशियल एडमिनिस्ट्रे-टिव ऑर्गनाइजेशन के ऑफिस में एक सीनियर प्रांतीय अधिकारी और उसके ड्राइवर पर गोली चलाई। इस घटना में एक वरिष्ठ प्रांतीय अधिकारी और उसके ड्राइवर पर गोली चलाई।



- वरिष्ठ प्रांतीय अधिकारी और ड्राइवर गोलीबारी में घायल, अस्पताल में भर्ती।
- पुलिस ने संदिग्ध पूर्व सांसद बंदूकधारी को तुरंत गिरफ्तार किया।

गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को थाईलैंड के देबसिरिन नोनथाबुरी स्कूल में हुई गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। इस घटना में

बताया जा रहा है कि एक 14 वर्षीय लड़के ने पहले अपने दादा-दादी को गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मार ली।

जांच: एरिजोना में 19 साल की गर्लफ्रेंड की मौत, भारत भागने की कोशिश का आरोप

गर्लफ्रेंड की हत्या का आरोपी भारतीय छात्र जर्मनी में पकड़ा

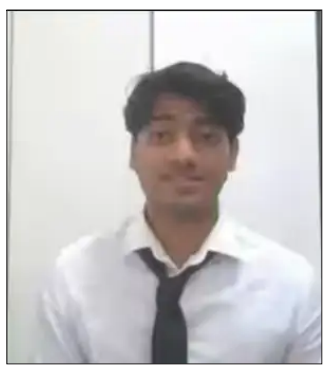
अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, वरुण पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का शक है। जुलिसा का शव गुरुवार को एरिजोना यूनिवर्सिटी के पास टक्सन स्थित उसके अपार्टमेंट में मिला था।

नई दिल्ली, एजेंसी

20 साल के भारतीय नागरिक वरुण बटचिगरी को जर्मनी में गिरफ्तार किया गया है। उन पर अमेरिका के एरिजोना में अपनी 19 साल की गर्लफ्रेंड जुलिसा रूबी सलाजार की गला दबाकर हत्या करने का आरोप है।

जुलिसा के परिवार ने उसकी चिंता होने पर पुलिस से वेलफेयर चेक कराने को कहा था। टक्सन पुलिस विभाग के मुताबिक, वे गुरुवार शाम करीब 4 बजे अपार्टमेंट पहुंचे, जहां जुलिसा बेहोश मिली। उसके शरीर पर चोट के निशान थे।

इस मामले में वरुण और जुलिसा के रिश्ते और उनसे जुड़े दुर्व्यवहार के आरोपों की भी जांच हो रही है।



मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जुलिसा यह रिश्ता खत्म करना चाहती थी। उसके साथ यौन हमले और दुर्व्यवहार होने की बात भी सामने आई है।

5 अगस्त को जुलिसा के रूममेट्स ने उसके कमरे से तेज चीखने की आवाज सुनी थी। इससे वे चिंतित हो गए और उन्होंने जुलिसा से संपर्क कर पूछा कि वह सुरक्षित है या नहीं। रूममेट्स को जवाब मिला कि वह ठीक है और कमरे में केवल बहस हुई थी। एक महिला ने जांचकर्ताओं को यह भी बताया था कि वरुण ने हैलोवीन के दिन जुलिसा पर यौन हमला किया था। हालांकि, जुलिसा ने इस घटना की शिकायत उस समय नहीं की थी। वरुण एरिजोना यूनिवर्सिटी में बिजनेस एनालिटिक्स की पढ़ाई कर रहा था। हालांकि, एक लड़ाई के बाद उसे यूनिवर्सिटी से निकाल दिया गया और उसकी पढ़ाई बीच में ही रुक गई।

पुलिस ने आरोपी को जर्मनी में ट्रेस किया

जांचकर्ताओं का कहना है कि वरुण जुलिसा का फोन और क्रेडिट कार्ड लेकर गया था। उसने जुलिसा की मां को कई मैसेज भी भेजे। पुलिस को पता चला कि वरुण टक्सन से भाग चुका है। वह टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा और वहां से ह्यूस्टन की फ्लाइट ली। इसके बाद उसने जर्मनी के बर्लिन जाने वाली दूसरी फ्लाइट ली। अधिकारियों का मानना है कि वरुण भारत लौटने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अधिकारियों ने वरुण का पता लगाया और जर्मनी पहुंचने के बाद उसे हिरासत में लिया। उसे एरिजोना लाए जाने की उम्मीद है, जहां उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया जाएगा और उसे पिमा काउंटी एडल्ट डिटेंशन सेंटर में दर्ज किया जाएगा।



सोशल मीडिया पर वायरल हो रही जुलिसा की फोटो।

सोने की कीमत 1,440 बढ़कर 1.51 लाख हुई

चांदी आज 1,909 बढ़कर 2.33 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी



सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 10 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,440 रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 1,909 रुपए बढ़कर 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 8,201 और चांदी 14,995 रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में 3 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.33 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676